www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 197 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
09 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:02
सूर्यास्तः 05:46
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 22°00



पेज 07

विशेष समाचार
नाना पाटेकरः अभिनय की ... >>पेज 04
ब्यूटीशियन पत्नी ने प्रेमी ... >>पेज 06
नहीं रहे नाना ...

जीएसटी में बदले कई बड़े नियम, गिरफ्तारी से राहत, अब 10 दिन में रिफंड क्लेम

अब से जीएसटी अफसर को गिरफ्तारी का अधिकार नहीं

फैसला

- सामान और बिल सही होने पर खरीदार का आईटीसी नहीं अटकेगा
- सामान्य पेनल्टी घटकर हुई 10,000, साल में एक बार ही बदलेंगे रेट

तमसा संकेत एजेंसी



वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में बैठक

नई दिल्ली । 5 करोड़ से कम की टैक्स चोरी या गड़बड़ी करने वालों को टैक्स अधिकारी अब किसी की गिरफ्तारी नहीं कर सकेंगे। यह फैसला गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई GST काउंसिल की 53वीं बैठक में लिया गया। 10 हजार रुपए से कम की टैक्स चोरी पर कारोबारी को नोटिस भी नहीं दिया जाएगा।
>> (शेष पेज 06 पर)

अफसरों की गिरफ्तारी का अधिकार खत्म

काउंसिल ने जीएसटी कानून के तहत अधिकारियों को दी गई गिरफ्तारी की शक्तियों को वापस ले लिया है। इसके साथ ही, मामलों में तय न्यूनतम सजा के प्रावधान को भी हटा दिया गया है।

अब किसी भी मामले में जुर्माना, जेल या दोनों तरह की सजा तय करने का पूरा अधिकार पूरी तरह से अदालतों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। इससे कर अधिकारियों की मनमानी और इंसपेक्टर राज पर रोक लगेगी।



बैठक में जीएसटी मामलों में क्रिमिनल केस की मिनिमम लिमिट 1 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए कर दी गई है। 5 करोड़ रुपए से कम की गड़बड़ी को सिर्फ जुर्माना भरकर सुलझाया जा सकेगा।

5 करोड़ से कम की गड़बड़ी पर अब नहीं चलेगा कोर्ट केस

व्यापारियों को राहत देते हुए आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की सीमा 5 गुना बढ़ा दी गई है। पहले 1 करोड़ की टैक्स गड़बड़ी पर भी क्रिमिनल प्रॉसिक्यूशन शुरू किया जा सकता था, जिसे अब बढ़ाकर 5 करोड़ कर दिया गया है।
>> (शेष पेज 06 पर)

जीएसटी के अफसरों के लिए ये नियम बदलें

नियम	पहले	अब
गिरफ्तारी का अधिकार	अफसरों के पास	पूरी तरह खत्म
आपराधिक केस लिमिट	₹1 करोड़	₹5 करोड़
जनरल पेनल्टी	₹25,000	₹10,000
GST रेट में बदलाव	पहले कभी भी	साल में सिर्फ 1 बार

अनिल कुमार बने अम्बेडकरनगर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
जनपद न्यायाधीश ने जारी किया आदेश

पदोन्नति

तमसा संकेत, एजेंसी



पदोन्नति के बाद जनपद न्यायालय में तत्काल प्रभाव से नियुक्ति

अम्बेडकरनगर। जनपद न्यायालय अम्बेडकरनगर में श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नति के साथ नियुक्त किया गया है। इस संबंध में जनपद न्यायाधीश की ओर से 7 अक्टूबर 2026 को प्रकीर्ण आदेश संख्या 221/2026 और प्रबंध आदेश संख्या 61/2026 जारी किया गया। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री शिवकुमार के 30 सितंबर 2026 को सेवानिवृत्त होने के बाद यह पद रिक्त हो गया था। रिक्त पद पर पदोन्नति के लिए गठित व्यथा/प्रोन्नति समिति ने प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव के नाम की संस्तुति की।
>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम योगी ने 470 खेल प्रतिभाओं को सौंपेंगे यूपी पुलिस के नियुक्ति-पत्र, 866 पदों पर भर्ती

खिलाड़ियों को खाकी की सौगात

नियुक्ति

हेमन्त कृष्ण





तमसा संकेत, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार आज कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत 470 खिलाड़ियों को यूपी पुलिस में नियुक्ति पत्र देने जा रही है. इनमें 43 उप निरीक्षक, 295 आरक्षी और 132 पीएसी आरक्षी शामिल हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 2017 के बाद से विभिन्न सरकारी विभागों में 534 से ज्यादा खिलाड़ियों की सीधी भर्ती हो चुकी है, जबकि यूपी पुलिस में 866 और खिलाड़ियों की भर्ती प्रक्रिया भी चल रही है. मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद प्रदेश में खेल प्रतिभाओं के लिए सरकारी सेवा के द्वार खोले गए हैं. उन्होंने यह भी कहा कि डबल इंजन सरकार ने खिलाड़ियों को रोजगार के साथ सुरक्षित भविष्य से जोड़ने का काम किया है. अलग अलग सरकारी विभागों में अब तक 534 से अधिक खिलाड़ियों की सीधी भर्ती की जा चुकी है. यह संख्या 2017 के बाद की भर्तियों की है. खिलाड़ियों की भर्ती का सिलसिला अभी थमा नहीं है. यूपी पुलिस में 866 अन्य खिलाड़ियों की भर्ती प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। >> (शेष पेज 06 पर)

उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों के लिए सरकारी नौकरी का एक खास रास्ता है, जिसे कुशल खिलाड़ी कोटा कहा जाता है. इस कोटे के तहत खेल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकारी सेवा में जगह दी जाती है. आज इसी कोटे से यूपी पुलिस में 470 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे

'गांव से ग्लोबल तक विकास का संकल्प', सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी को कुछ यूं दी बधाई

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को सम्मान देने के साथ उन्हें राष्ट्र सेवा का अवसर भी दिया जा रहा है. उनके मुताबिक उत्तर प्रदेश में नई खेल संस्कृति विकसित हो रही है. इस संस्कृति का मकसद मैदान की मेधा को सम्मान देना, प्रतिभाओं का हौसला बढ़ाना और उन्हें राष्ट्र सेवा का मौका उपलब्ध कराना है।

इन 470 खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा 295 को आरक्षी बनाया जा रहा है. आरक्षी का मतलब आम बोलचाल में सिपाही होता है. इसके अलावा 132 खिलाड़ी पीएसी में आरक्षी के पद पर नियुक्त होंगे. वहीं 43 खिलाड़ियों को उप निरीक्षक का पद मिलेगा. तीनों पदों की संख्या जोड़ने पर कुल 470 नियुक्तियां बनती हैं

फास्ट न्यूज

जोधपुर के आसमान में सूर्यकिरण विमानों ने बनाया तिरंगा

जोधपुर ।जोधपुर एयरबेस पर वायुसेना दिवस पर गुरुवार को एयर शो हुआ। इसमें सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के 9 हॉक एमके-132 विमानों और सारंग टीम के 5 एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर ध्रुव ने आसमान में करतब दिखाए।

घटना जांच

ट्रेन से लापता लड़की का शव आंध्र प्रदेश में मिला

गुवाहाटी । ट्रेन में सफर के दौरान लापता हुई असम की एक आदिवासी छात्रा का शव बुधवार सुबह आंध्र प्रदेश में मिला है। असम के कामरूप जिले में रहने वाली 20 साल की हिमाश्री बोरो विशाखापत्तनम से गुवाहाटी जा रही थी। वह में सवार थी।

छात्रा की मां ने बताया कि वह 5 अक्टूबर को रात 11:50 बजे विशाखापत्तनम से डिब्रूगढ़ विवेक एक्सप्रेस (नं. 22503) ट्रेन में सवार हुई थी। ट्रेन को 7 अक्टूबर सुबह 9:05 बजे गुवाहाटी पहुंचना था। इसी दौरान 6 अक्टूबर को सुबह 2:39 बजे उसने एक सहेली को बताया था कि कुछ लड़के उसे परेशान कर रहे हैं।

वडनगर सेवा यात्रा खत्म हुई

नई दिल्ली। पीएम मोदी के जनसेवा और सुशासन के 25 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को वडनगर में 'वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा' का समापन समारोह आयोजित किया गया। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत निकली इस यात्रा के समापन पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया ।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन, राहुल-प्रियंका ने राजघाट पर बापू को श्रद्धांजलि दी

सरकार वोट देने का अधिकार छीन रही : कांग्रेस अध्यक्ष

धरना

तमसा संकेत, एजेंसी





रेस्टोरेंट में लंच करते हुए विपक्षी नेता

नई दिल्ली । मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR के विरोध में विपक्ष ने दिल्ली में गुरुवार को लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन किया। राहुल-प्रियंका गांधी और INDIA ब्लॉक के सांसदों ने पहले कनॉट प्लेस में लंच किया, फिर बसों से राजघाट पहुंचे।

प्रदर्शन को देखते हुए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। राजघाट पर करीब एक घंटे इंतजार के बाद उन्हें अंदर जाने दिया। यहां सांसदों ने बापू को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले खड़गे ने कहा था कि वे गांधीजी से प्रार्थना करेंगे कि सरकार को सद्बुद्धि दे। वह लोगों का वोट देने का अधिकार न छीने। दिल्ली में पिछले दो दिनों से धरने का एक ही पैटर्न दिखा। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे विपक्षी सांसदों को लंच पर बुलाते हैं, सांसद खाना खाते हैं, फिर बसों में बैठकर निकल जाते हैं। फर्क इतना है कि बुधवार को मंजिल जंतर-मंतर थी और गुरुवार को राजघाट। इससे पहले विपक्ष ने संसद से चुनाव आयोग तक मार्च निकाला था। सुबह 10 बजे राष्ट्रपति से मुलाकातः मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा और SIR और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर INDIA ब्लॉक का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात करेगा।
>> (शेष पेज 06 पर)

कांग्रेस बोली- यह संविधान की रक्षा की लड़ाई है

कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल गौतम ने कहा, "देश के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की लड़ाई जारी है। लोगों को उनके मतदान के अधिकार से अवैध रूप से वंचित किए जाने से बचाने की लड़ाई जारी है। इस लड़ाई में सत्य की जीत होगी।"

बीजेपी महिला मोर्चा का कांग्रेस मुख्यालय के पास प्रदर्शन

दिल्ली BJP महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने मध्य दिल्ली के डीडीयू मार्ग स्थित कांग्रेस मुख्यालय के पास प्रदर्शन किया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर महिला पुलिसकर्मियों के साथ "दुर्व्यवहार" करने का आरोप लगाया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को ITO चौराहे से कांग्रेस मुख्यालय की ओर बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी बुधवार को प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगा रहे थे।

नाना पाटेकर को पीएम मोदी की श्रद्धांजलि 75 की उम्र में निधन
6 फिल्मों- तिरंगा, परिंदा, प्रहार आदि का जिक्र

दुःखद

तमसा संकेत, एजेंसी



राहुल गांधी बोले- दर्शकों के दिलों में एक अमिट छाप छोड़ी

नई दिल्ली। नाना पाटेकर का 75 साल की उम्र में निधन हो गया। गोवा में कार्डियक अरेस्ट के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई लोगों ने नाना को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नाना पाटेकर को कहा कि वे बेहतरीन कलाकार थे। उन्होंने अलग-अलग किरदारों से दर्शकों का दिल जीता। मोदी ने अपने बयान में नाना की फिल्मों के नामों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, नाना पाटेकर का जीवन तिरंगे की आन-बान और शान की तरह रहा। वो बंधनों में नहीं रहे, परिंदे की तरह फिल्मों के आसमान में उड़े। उन्होंने समाज में व्याप्त अव्यवस्था पर अपनी फिल्मों के माध्यम से करारा प्रहार किया। वे एक ऐसे क्रांतिवीर थे, जिन्होंने बुराइयों के विरुद्ध काम किया। उनकी वाणी जितनी तेज थी, उनकी खामोशी भी उतनी ही प्रभावी थी।
>> (शेष पेज 06 पर)

बेंगलुरु में सीजेपी का प्रदर्शन ध्रुव राठी प्रकाश राज शामिल

दीपके ने वोट चोर के नारे लगवाए कहा- वन नेशन, वन पार्टी भाजपा का मकसद

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी



दीपके का आरोप- दिल्ली में प्रदर्शन से पहले लोगों को हिरासत में लिया जा रहा

बेंगलुरु। फ्रीडम पार्क में गुरुवार को कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन हुआ। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके, यूट्यूबर ध्रुव राठी और एक्टर प्रकाश राज SIR रद्द करने और CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए। दीपके ने प्रदर्शनकारियों से 'नरेंद्र मोदी वोट चोर' और 'SIR रद्द करो' के नारे लगवाकर अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा- पीएम मोदी ने वोट चोरी करके चुनाव जीता। >> (शेष 06 पर)

प्रकाश राज बोले- ज्ञानेश कुमार के खिलाफ केस दर्ज हो

वहीं, एक्टर प्रकाश राज ने अपने संबोधन में कहा- SIR के जरिए चुनाव आयोग ने पूरे देश का अपमान किया है। पहले चुनाव अधिकारी नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए घर-घर जाते थे, लेकिन अब मतदाताओं को अपना नाम हटाए जाने से बचाने के लिए अधिकारियों के सामने गुहार लगानी पड़ रही है।

सुनवाई : 5 सुरक्षा बलों में आईपीएस का डेपुटेशन-प्रमोशन हो सकेगा

सीएपीएफ अफसरों की भर्ती सेवा का नया कानून लागू



- आईपीएस से डेपुटेशन यानी प्रतिनियुक्ति के जरिए अफसरों की नियुक्ति भी की जाएगी।
- नए कानून में डेपुटेशन का प्रावधान
- सुप्रीम कोर्ट के 2025 के फैसले में क्या था

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली । देश में CAPF (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) एक्ट 2026 लागू हो गया। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, यह कानून 8 अक्टूबर से प्रभावी है। नया कानून, CAPF में ग्रुप-A जनरल ड्यूटी और दूसरे अधिकारियों की भर्ती, प्रमोशन, डेपुटेशन और सेवा शर्तों का एक जैसा ढांचा तय करता है। कानून ऐसे समय लागू हुआ है, जब सुप्रीम कोर्ट में हजारों CAPF अफसर इसकी वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। यह कानून संसद ने अप्रैल में पास किया था।

यह कानून केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF), सीमा सुरक्षा बल (BSF), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) और सशस्त्र सीमा बल (SSB) में अफसरों की भर्ती और सेवा नियमों को नियंत्रित करेगा। >> (शेष पेज 06 पर)

कैडर अफसरों ने जताई आपत्ति

इन बलों के कैडर अफसरों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की हैं। उन्होंने एक अवमानना याचिका भी दाखिल की है। अफसरों का कहना है कि यह कानून IPS से डेपुटेशन पर आने वाले अफसरों की तुलना में उनके करियर में आगे बढ़ने के मौके खत्म करता है। इन अफसरों ने सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार को मई 2025 के फैसले को लागू करने का निर्देश देने की मांग की है। मई 2025 के फैसले में कोर्ट ने कहा था कि CAPF में इंस्पेक्टर जनरल तक के पदों पर IPS अफसरों की डेपुटेशन को दो साल में धीरे-धीरे कम किया जाए।

नितिन नवीन ने काशी में जेन-ज़ी से बात की, कहा- घुसपैठियों को हक हड़पने नहीं देंगे

युवाओं को अल्फा बीटा गामा में मत बांटो : नितिन नवीन

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी



वाराणसी । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को काशी में Gen-Z स्टूडेंट्स से बातचीत की। कहा- हम युवाओं को बांट क्यों रहे हैं? पहले भी टीनएजर होते थे। ऐसे में कोई उन्हें अल्फा, बीटा, गामा में न बांटे। हमारा देश युवाओं का था, है और रहेगा। हम विदेश से आए घुसपैठियों को भारत के युवाओं का हक नहीं देंगे।

काशी विद्यापीठ में नितिन नवीन से 12 छात्र-छात्राओं ने सवाल पूछे। करियर से जुड़े सवालों के जवाब देते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भारत जल्द ही AI का हब बनेगा। यूपी बदल गया है। पहले यूपी का नाम जब आता था तो माफिया और हत्या की बात होती थी। अब एक्सप्रेस-वे और डिफेंस कॉरिडोर बन रहे हैं। इससे पहले सुबह उन्होंने बाबा विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए। कहा- राहुल गांधी और विपक्ष के लोग अराजकतावादी मानसिकता के लोग हैं, जिन्हें केवल समाज में विष घोलना आता है। जिस प्रकार का खेल ये खेल रहे हैं, वो देश की जनता देख रही है। नेता प्रतिपक्ष घुसपैठियों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। नितिन नवीन से 12 से अधिक बच्चों ने सवाल किया है। वह अभी सभी के सवाल ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोग सवाल पूछ लें। मैं सभी का एक साथ जवाब देने की कोशिश करूंगा, क्योंकि समय कम है।

> नितिन नवीन बोले- हमें भारतीय होने पर गर्व है। जहां के लोग हैं, वहां के लोगों को पहले फायदा मिले। जो बिहार का है, उसे बिहार में हक मिलना चाहिए। जो यूपी का है, उसे यूपी में लाभ मिलना चाहिए। लेकिन विदेश से आए हुए घुसपैठियों को भारत के युवाओं का हक नहीं देंगे।

पहले माफिया और हत्या के नाम से यूपी को जाना जाता था

नितिन नवीन ने कहा कि AI में बड़े निवेश आए हैं। भारत जल्द ही AI का हब बनेगा। जिस देश का इतिहास अच्छा नहीं होता, उसकी विरासत अच्छी नहीं होती। यूपी बदल गया है। यहां विकास हो रहा है। पहले यूपी का नाम जब आता था तो माफिया और हत्या की बात होती थी। अब कहा जाता है कि एक्सप्रेस वे बन रहा है। डिफेंस कारिडोर बन रहा है। जिसमें 40 परसेंट एम्प्लॉयमेंट यूपी के युवा साथियों को मिल रहा है। पहले ही सरकारों में युवा अपनी एनर्जी का गलत दिशा में इस्तेमाल करते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। देश में लीगल स्टडी को बढ़ावा दिया जा रहा है। लॉ स्कूल खुल रहे हैं। लॉ में जाने वाला व्यक्ति आज आगे बढ़ रहा है। सुनहरा भविष्य बना रहा है।

नितिन नवीन बोले- पहले देश में घोटाले होते थे

नितिन नवीन ने कहा कि मैं 2013 में अमेरिका गया था। वहां मुझसे कुछ लोगों ने कहा था कि आपके देश में हर दिन कोई न कोई घोटाला होता है। लेकिन पिछले 12 साल से प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में देश का विपक्ष एक भी घोटाले का आरोप नहीं लगा पाया। डेवलपमेंट पर भी कोई सरकार हमारे सामने नहीं खड़ी हो सकती। ये आप को समझना है कि नया भारत किस दिशा में आगे चल रहा है।

छात्रा ने पूछा- सरकार कंटेंट क्रिएटर्स के बारे में क्या सोच रही

नितिन नवीन से छात्रा ने पूछा- आजकल के युवा कंटेंट क्रिएशन और डिजिटल मीडिया में अपना करियर देख रहे हैं। हमारी उत्तर प्रदेश सरकार कंटेंट क्रिएटर्स और डिजिटल एंटरप्रेन्योर्स के लिए कौन से समर्पित ट्रेनिंग और फाइनेंशियल एड सपोर्ट के बारे में विचार कर रही है?

ज्ञानेश कुमार के सपोर्ट में 42 पूर्व जजों का लेटर

बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील

समर्थन

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। चुनाव आयोग और SIR को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व जजों ने CEC ज्ञानेश कुमार का समर्थन किया है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की। पूर्व जजों ने एक लेटर पर साइन किए हैं। इसमें कहा गया है कि शिकायतें लोकतांत्रिक और कानूनी तरीकों से उठाई जानी चाहिए। उन्होंने SIR प्रक्रिया को भी सही बताया है। लेटर में चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर जजों ने कहा कि इनके समर्थन में सबूत नहीं दिए गए हैं। बिना सबूत संवैधानिक संस्थाओं पर हमले चुनावी प्रक्रिया में लोगों का भरोसा कमजोर कर सकते हैं। इस ओपन लेटर में पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस पंकज मित्तल के भी साइन हैं। लेटर में लिखा है- वोट चोरी के आरोप अदालतों में नहीं, बल्कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए जाते हैं। जब आयोग शपथ पत्र मांगता है, तो कोई दाखिल नहीं किया जाता।

> एसआईआर को सही बताया, लिखा- बिना सबूत वोट चोरी के आरोप लोगों का भरोसा घटा सकते हैं

फास्ट न्यूज

गर्लफ्रेंड को इंप्रेस करने के लिए मोबाइल छीना

गोरखपुर । गोरखपुर में दो युवक राह चलते एक व्यक्ति का मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने दोनों को 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से लूट का मोबाइल और घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद किया है। पूछताछ में दोनों युवकों ने बताया कि मोबाइल बेचकर गर्लफ्रेंड को अच्छा गिफ्ट देने का प्लान बनाया था। इससे गर्लफ्रेंड इंप्रेस हो जाती, लेकिन इससे पहले ही पकड़ लिए गए।

फिल्म हनुमान 'अंश' के गायक सुधीर लोधी बोले-बनारस अच्छा लगा

वाराणसी । हनुमान अंश फिल्म का चर्चित भजन 'संकट के कटैया' गाने वाले सुधीर लोधी बुधवार को नमो बुक फेस्टिवल में बनारस पहुंचे। उन्होंने बताया कि 'संकट के कटैया' गाना करीब आधे घंटे में रिकॉर्ड हुआ था। बनारस आने के अनुभव पर सुधीर ने कहा कि उन्हें काशी बहुत अच्छी लगी। काफी दिनों से बनारस आने की इच्छा थी, जो अब पूरी हुई।

उन्होंने कहा कि बनारस का काफी नाम सुनते थे और शंकर जी महाराज की कृपा से ऐसा लगा कि उन्होंने खुद बुला लिया।

वाराणसी में सेवा संकल्प अभियान

वाराणसी । वाराणसी में गुरुवार को जगतपुर पी.जी. कॉलेज, जगतपुर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत इनोवेशन चैलेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ₹हेल्थ एंड हाइजीन₹ विषय पर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य संरक्षण, स्वच्छ वातावरण तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की गई।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में युवक की मौत दो गंभीर घायल

सीएचसी सूरतगंज में उपचार के दौरान डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

तमसा संकेत, संवाददाता



सूरतगंज (बाराबंकी)। बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस की मदद से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सूरतगंज पहुंचाया गया। यहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनगर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात कड़ाकापुर और भैरमपुर मार्ग के माधवा जलालपुर गांव के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइकों पर सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। लोगों ने घायलों को संभालने के साथ ही पुलिस और एंबुलेंस को घटना की सूचना दी। कुछ ही देर में एंबुलेंस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को उपचार के लिए सीएचसी सूरतगंज लाया गया। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने घायलों का उपचार शुरू किया। इस दौरान बिहुरी गांव निवासी निर्मल वर्मा पुत्र किशोरी लाल की हालत बेहद गंभीर होने के चलते चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल में मौजूद परिजनों में कोहराम मच गया। हादसे की सूचना गांव तक पहुंचते ही मृतक के घर और गांव में भी मातम छा गया। परिवारजनों का कहना है कि मृतक निर्मल सरदार के धान काटने वाली मशीन पर काम करता था जो देर शाम घर लौट रहा था। इसी तरह बाईकों में टक्कर हुई जिसके बाद आपस में विवाद हुआ जिसके बाद उसे मारा पिता गया है जिसके कारण मौत होने को आशंका जताई है।

पांच बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

हिमाचल में बिस्कुट फैक्ट्री मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, गांव पहुंचा शव तो मचा कोहराम

तमसा संकेत, एजेंसी





सूरतगंज (बाराबंकी)। हिमाचल प्रदेश में रहकर बिस्कुट फैक्ट्री में काम करने वाले मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के बंभनावा गांव निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बुधवार को अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत के बाद गुरुवार को शव गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद पूरे गांव में भी मातम का माहौल बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंभनावा गांव निवासी अशोक निषाद 35 वर्षीय करीब पांच महीने पहले रोजी-रोटी की तलाश में हिमाचल प्रदेश गया था। वहां वह एक बिस्कुट फैक्ट्री में काम कर परिवार के भरण-पोषण में सहयोग कर रहा था। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से अशोक की तबीयत खराब चल रही थी। वह बुखार से पीड़ित था और खाना खाने के बाद उसे लगातार उल्टियां होने की शिकायत भी रहती थी।

तबीयत अधिक बिगड़ने पर परिजनों और साथियों द्वारा उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अशोक के साथ उसका मंझिला भाई मुंशी भी उसी बिस्कुट फैक्ट्री में काम करता है। भाई की मौत की जानकारी मिलते ही मुंशी ने घटना की सूचना गांव में परिजनों को दी। जैसे ही परिवार को अशोक की मौत की खबर मिली, घर में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे दो बेटे शिवानंद और दिव्यांशु तथा बड़ी बेटी फूलमती, शिवानी व सबसे छोटी बेटी आलसी को छोड़ गया। बताया जा रहा है कि उसकी सबसे बड़ी बेटी शादी की उम्र की है। ऐसे में परिवार पर कम उम्र में ही घर के कमाऊ सदस्य की मौत का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। बच्चों और परिजनों की स्थिति देखकर मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। परिजनों के मुताबिक अशोक की तबीयत पिछले कुछ दिनों से लगातार खराब थी। हालांकि उसकी मौत की वास्तविक वजह क्या रही, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

> गुरुवार को जब अशोक का शव गांव पहुंचा तो अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पत्नी और बच्चों समेत परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था। अचानक हुई मौत से परिजन गहरे सदमे में हैं। ग्रामीणों ने बताया कि अशोक परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए घर से दूर हिमाचल प्रदेश में मेहनत-मजदूरी कर रहा था।

हवा, गंगा और जमीन पर इमरजेंसी रिस्पॉन्स रहेगा, सीएम बोले- यह हमारे लिए स्टेट इवेंट

काशी में एयर शो के लिए तीन लेयर सुरक्षा प्लान

तमसा संकेत, एजेंसी



> घटना की स्थिति में एंबुलेंस को अस्पताल तक पहुंचने में परेशानी न हो, इसके लिए ग्रीन कॉरिडोर की योजना है। सरकारी और निजी अस्पतालों में कुल 170 इमरजेंसी और 44 आईसीयू बेड चिह्नित किए गए हैं।



मुख्यमंत्री ने लखनऊ में एयरफोर्स के अधिकारियों के साथ मीटिंग की

वाराणसी । काशी में एयरफोर्स डे एरियल डिस्प्ले को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। अक्टूबर 2024 में चेन्नई एयर शो के दौरान सामने आई स्थिति से सबक लेते हुए यहां आपात स्थिति से निपटने के लिए तीन स्तर का रिस्पॉन्स प्लान तैयार किया जा रहा है। इसमें हवा, गंगा और जमीन पर किसी भी तरह की इमरजेंसी से निपटने की व्यवस्था पहले से तय रहेगी। पूरे प्लान का प्रजेंटेशन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने किया गया। प्रजेंटेशन देखने के बाद सीएम ने इसे प्रदेश स्तर का महत्वपूर्ण आयोजन बताते हुए निर्देश दिए कि एयर शो की तैयारी उसी स्तर पर की जाए, जिस स्तर पर उत्तर प्रदेश डिफेंस एक्सपो और महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन किए गए हैं।

इमरजेंसी की सूचना मिलने से लेकर मरीज को अस्पताल पहुंचाने तक का पूरा नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। इसके लिए इंटीग्रेटेड, सीएमओ और इमरजेंसी लाइन के तीन कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे।

आयोजन स्थल के 20 किलोमीटर के दायरे में सात सरकारी और 15 किलोमीटर के दायरे में सात निजी अस्पतालों को मेडिकल बैकअप में शामिल किया गया है। इसके अलावा 23 ब्लड बैंक भी चिह्नित किए गए हैं।

एयर शो के दौरान वाराणसी में 58 एंबुलेंस उपलब्ध रहेंगी। जरूरत पड़ने पर दूसरे जिलों से 39 अतिरिक्त एंबुलेंस मंगाई जाएंगी। इस तरह इमरजेंसी में कुल 97 एंबुलेंस उपलब्ध कराने की तैयारी है। एयर शो की तैयारियों और व्यवस्थाओं के लिए 21 समितियां बनाई गई हैं। अलग-अलग समितियों को घाट प्रबंधन, कंट्रोल रूम, मेडिकल कवर, आयोजन स्थल, पीए सिस्टम, आमंत्रण-पास, स्वागत, आवास और परिवहन की जिम्मेदारी दी गई है।

हवा में हादसा हो या गंगा में, पहले से तय रहेगा रिस्पॉन्स

एयर शो के दौरान किसी आपात स्थिति में विभागों को मौके पर पहुंचकर अलग से व्यवस्था तय करने का इंतजार नहीं करना होगा। कार्ययोजना में हवा, पानी और जमीन पर संभावित घटनाओं के लिए डिजास्टर मैनेजमेंट और कंटिंजेंसी प्लान तैयार किया जा रहा है। इसके लिए एनडीआरएफ की विशेषज्ञता भी ली जाएगी। यानी हवा में कोई आपात स्थिति बने, गंगा में घटना हो या जमीन पर अचानक हालात बिगड़ें, तीनों परिस्थितियों में संबंधित एजेंसियों की भूमिका और रिस्पॉन्स पहले से तय रहेगा। एयरफोर्स, रेलवे, रोडवेज, जलमार्ग, जिला प्रशासन और पुलिस को इस व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय को प्लान में प्राथमिकता दी गई है। जरूरत पड़ने पर दूसरे जिलों से मजिस्ट्रेट बुलाने और अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने का भी प्रस्ताव है।

मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने तीमारदारों को पीटा

गोरखपुर में शव का पोस्टमार्टम कराना चाहते थे परिजन

तमसा संकेत, एजेंसी



गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। मंगलवार रात पोस्टमार्टम कराने की मांग को लेकर तीमारदारों और जूनियर डॉक्टरों में विवाद हो गया। तीमारदारों ने जूनियर डॉक्टरों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया गया।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। घटना के दौरान मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में तीमारदारों और जूनियर डॉक्टरों के बीच विवाद और मारपीट होती दिखाई दे रही है। संतकबीरनगर के कोतवाली थाना क्षेत्र के तेनुहारी सोयम गांव के रहने वाले उमाकांत चौधरी 3 अक्टूबर को सड़क हादसे में घायल हुए थे। जिला अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था।

मेडिकल कॉलेज में सिर में चोट के कारण उन्हें मेडिसिन इमरजेंसी के वार्ड नंबर 11 में भर्ती किया गया था। मंगलवार रात करीब 12 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। तीमारदारों के मुताबिक, ड्यूटी पर मौजूद जूनियर डॉक्टरों ने डेथ सर्टिफिकेट जारी कर शव घर ले जाने को कहा।

घटना : टायलेट का गेट खटखटाकर टीटीई बोले- बाहर निकलो, 371 लोग पकड़े गए

यूपी में चेकिंग देख चलती ट्रेन से कूदने लगे यात्री

तमसा संकेत, एजेंसी



बाराबंकी । बाराबंकी में बुधवार दोपहर ट्रेन में चेकिंग के दौरान भगदड़ मच गई। एक साथ कई टीटीई जैसे ही पुलिस के साथ बोगी (कोच) में घुसे, बिना टिकट वाले यात्री ट्रेन से बाहर कूदने लगे। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें यात्री ट्रेन से बाहर कूदने के बाद गिरते दिख रहे।

वहीं, कई यात्रियों बचने के लिए खुद को टॉयलेट में बंद कर लिया, जिन्हें टीटीई ने गेट खटखटा कर बाहर निकाला। इसके बाद बारी-बारी से यात्रियों से फाइन वसूला गया। 5-6 ट्रेनों में टिकट चेकिंग के दौरान रेलवे पुलिस ने 371 लोगों को पकड़ा। घटना दोपहर 2 बजे की रसौली रेलवे स्टेशन की है। बिना टिकट के ट्रेन में चढ़े यात्री बचने के लिए टॉयलेट में छिप गए। चेकिंग टीम के साथ तैनात रेलवे पुलिस की टीम ने बिना टिकट वाले यात्रियों को तलाशना शुरू कर दिया। इसके बाद टॉयलेट के दरवाजे खुलवाकर अंदर छिपे यात्रियों को बाहर निकाला गया।

चेकिंग टीम ने गरीब नवाज एक्सप्रेस, अयोध्या कैंट-लखनऊ मेमू समेत कई ट्रेनों में टिकट की जांच की। कुल 371 बेटिकट यात्रियों को पकड़ा गया। इनसे रेलवे टीम ने 2 लाख 86 हजार 580 रुपए जुर्माना वसूला। नियमों के उल्लंघन के 36 मामले ACJRM कोर्ट में पेश किए गए। बिना टिकट ट्रेन में यात्रा कर रहे लोगों के भागने और टॉयलेट में छिपने का वीडियो भी सामने आया है। इस मामले के बाद से रेलवे अधिकारियों ने अपील की है कि बिना टिकट यात्रा न करें और चेकिंग से बचने के लिए ट्रेन से कूदने जैसी खतरनाक कोशिश बिल्कुल न करें।

अयोध्या से लखनऊ जा रही ट्रेन से कूदे यात्री

बाराबंकी के रसौली रेलवे स्टेशन पर बुधवार दोपहर करीब 12 बजे अयोध्या से लखनऊ जा रही ट्रेन (64215) पहुंचीं। ट्रेन के पहुंचते ही चेकिंग टीम धड़ल्ले से ट्रेन में चढ़ गई। ट्रेन के चलते ही चेकिंग शुरू कर दी गई। यह देखकर बिना टिकट वाले यात्री घबरा गए। सभी खुद को बचाने के लिए बोगी के अंदर इधर-उधर भागने लगे। यात्रियों ने चलती ट्रेन से कूदना शुरू कर दिया। इनमें कुछ महिला यात्री भी थीं। वह भी सामान लेकर चलती ट्रेन से कूदने लगीं।

> मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा ने बताया-बेटिकट यात्रियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इन लोगों की वजह से टिकट लेकर यात्रा कर रहे लोगों को दिक्कत झेलनी पड़ती है। साथ ही विभाग के राजस्व को भी बड़ा नुकसान पहुंचता है।

जाति जनगणना के बाद होगा सत्ता का बंटवारा : राजभर

बंजारा समाज का विधायक बनाने का ऐलान, कहा-ताकत पैदा करो

तमसा संकेत, एजेंसी



अलीगढ़। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने गुरुवार को अकराबाद के दुभिया बंजारा गांव में बंजारा समाज के सम्मेलन में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया।

करीब ढाई से तीन हजार लोगों की मौजूदगी में राजभर ने कहा कि जातिवार जनगणना के बाद आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी का बंटवारा होगा। उन्होंने बंजारा समाज से एकजुट होकर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने और 2027 में अपने समाज का विधायक विधानसभा भेजने का आह्वान किया।

राजभर ने कहा- "बंटवारा तो होगा।" उन्होंने दावा किया कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी बातचीत हुई है। राजभर के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ जातियां इसका विरोध कर रही हैं, इसलिए पहले जातिवार जनगणना कराई जाए। उनका कहना था कि जातियों की संख्या सामने आने के बाद हिस्सेदारी के बंटवारे का विरोध करना मुश्किल होगा।

राजभर ने कहा कि जातिवार जनगणना के ऐलान के बाद विपक्ष परेशान है। उन्होंने कहा कि वह अति पिछड़ों और अति दलितों की हिस्सेदारी के लिए लगातार आवाज उठा रहे हैं। राजभर ने कहा कि उनकी राजनीति का उद्देश्य उन समाजों को सत्ता में हिस्सेदारी दिलाना है, जिनकी विधानसभा और लोकसभा में पर्याप्त भागीदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष अर्कवंशी समाज को राजनीतिक रूप से संगठित करने का अभियान चलाया गया था। अब बंजारा समाज को विधानसभा तक पहुंचाने के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा- "2027 का चुनाव आ रहा है। आप थोड़ी ताकत पैदा करो।

41.99 लाख पौधे बचाने की कवायद

घाघरा किनारे 54 ग्राम गंगा सेवा समितियों के नवीनीकरण के निर्देश

समीक्षा

- 16.57 लाख पौधों की टैंकर से सिंचाई
- घाघरा किनारे 54 समितियां होंगी नवीनीकृत
- नदी में कचरा और बिना अनुमति निर्माण पर रोक



बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिले में रोपे गए 41 लाख 99 हजार 500 पौधों की सुरक्षा और सिंचाई की बुधवार को समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति और जिला गंगा समिति की बैठक हुई। प्रभागीय वनाधिकारी और जिला विकास अधिकारी की मौजूदगी में अगले वर्ष के पौधारोपण, अपशिष्ट प्रबंधन और नदी संरक्षण से जुड़े कार्यों की प्रगति देखी गई।

घाघरा नदी के किनारे पहले से गठित 54 ग्राम गंगा सेवा समितियों के नवीनीकरण के निर्देश दिए गए। तमसा नदी के किनारे स्थित ग्राम पंचायतों में नई समितियों के गठन की प्रक्रिया भी पूरी करने को कहा गया।

बैठक में गंगा और सहायक नदियों में बिना उपचारित सीवेज, स्लज और अन्य अपशिष्ट का प्रवाह रोकने के निर्देश दिए गए। सक्रिय बाढ़ क्षेत्र में निर्धारित अनुमति के बिना स्थायी या अस्थायी निर्माण नहीं कराने को कहा गया। ठोस, प्लास्टिक, सीएंडडी, जैव-चिकित्सीय और ई-वेस्ट से जुड़ी सूचनाएं समय से उपलब्ध कराने तथा पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश भी दिए गए। नदी और तटवर्ती क्षेत्रों में प्रदूषण, अपशिष्ट प्रवाह और अनधिकृत गतिविधियों की निगरानी पर भी जोर दिया गया।

> वन विभाग की ओर से रोपे गए 16 लाख 57 हजार पौधों की सिंचाई टैंकरों से कराई जा रही है। आसपास के किसानों से समन्वय भी किया जा रहा है। पौधों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा खाई और तारबाड़ की व्यवस्था की गई है। अन्य विभागों को भी अपने पौधारोपण की सुरक्षा और सिंचाई की जानकारी देने के निर्देश दिए गए।

तमसा के जलप्रवाह में बाधा, मशीनीकृत सफाई के निर्देश

शेखपुर और कटुई क्षेत्र के तमसा नदी पुल के नीचे जलकुंभी और कचरा जमा होने का मामला बैठक में प्रमुखता से उठा। इससे नदी का जलप्रवाह और स्वच्छता प्रभावित हो रही है। ग्राम पंचायत स्तर से सफाई संभव नहीं होने पर सिंचाई विभाग को तकनीकी परीक्षण कराने के निर्देश दिए गए। इसके बाद मशीनीकृत सफाई को नमामि गंगे या विभागीय कार्ययोजना में शामिल करने को कहा गया।

त्योहारों से पहले सुरक्षा का खाका तैयार रहेगी पुलिस की खास नजर

एडीजी प्रवीण कुमार ने अंबेडकरनगर में कानून-व्यवस्था की समीक्षा की

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस-प्रशासन ने तैयारियों की समीक्षा की। बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में हुई बैठक में एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार ने कानून-व्यवस्था की स्थिति और सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली। आईजी रेंज अयोध्या सोमेन वर्मा, जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एडीजी ने त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और पुलिस बल की प्रभावी तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता देने को कहा। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल को तैयार रखने के निर्देश दिए गए।

बैठक में त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े निर्देशों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा के साथ आगामी त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जरूरी तैयारियों की समीक्षा की गई।

फास्ट न्यूज

जनगणना के दूसरे चरण के लिए 86 फील्ड ट्रेनरों की ट्रेनिंग शुरू

अंबेडकरनगर। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों के तहत बुधवार को राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, अकबरपुर में फील्ड ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। जिले के 86 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में चार मास्टर ट्रेनर फील्ड ट्रेनरों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया की जानकारी देंगे। प्रशिक्षण के दौरान दूसरे चरण में होने वाली जनसंख्या गणना के विभिन्न पहलुओं को समझाया जाएगा।

शिक्षक एमएलसी चुनाव में पहचान पत्र जरूरी, 10 दस्तावेज मान्य

अंबेडकरनगर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा। मतदान के दौरान पहचान सत्यापन के लिए मतदाताओं को पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु ने बताया कि फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र वाले मतदाताओं को मतदान के समय वही प्रस्तुत करना होगा। मतदाता पहचान पत्र उपलब्ध नहीं होने पर निर्धारित वैकल्पिक दस्तावेजों में से कोई एक दिखाकर पहचान सत्यापित कराई जा सकेगी।

एसपी के सामने पहुंचीं फरियादें

अंबेडकरनगर। पुलिस कार्यालय में गुरुवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से फरियादी पहुंचे। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने उनकी शिकायतें सुनीं और संबंधित मामलों की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का नियमानुसार परीक्षण करने को कहा।

ट्रक के कागजात में देरी पर एआरटीओ कार्यालय में हंगामा

युवक ने कार्यालय परिसर में उतारी शर्ट

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। एआरटीओ कार्यालय में गुरुवार दोपहर ट्रक के कागजात दुरुस्त कराने पहुंचे युवक ने प्रक्रिया में देरी पर हंगामा कर दिया। युवक ने कार्यालय परिसर में अपनी शर्ट उतार दी। इससे वहां कुछ देर के लिए कामकाज प्रभावित हुआ। सूचना मिलने पर अकबरपुर कोतवाल पुलिस टीम के साथ पहुंचे और युवक को समझाकर शांत कराया। अखिलेश तिवारी ट्रक के कागजात में सुधार कराने के लिए एआरटीओ कार्यालय पहुंचे थे। उनके अनुसार, जून में एक्सप्रेस-वे पर ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसके बाद कागजात तैयार कराने और उनमें सुधार के लिए वह कई बार कार्यालय आ चुके थे।

गुरुवार को भी वह इसी काम के लिए पहुंचे थे। प्रक्रिया में समय लगने पर वह नाराज हो गए। इसी दौरान उत्तेजित होकर हंगामा करने लगे और शर्ट उतार दी। कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों और अन्य लोगों के बीच कुछ देर हलचल रही।

हंगामे की सूचना पर अकबरपुर कोतवाल पुलिस टीम के साथ कार्यालय पहुंचे। उन्होंने युवक से बातचीत कर उसे शांत कराया। इसके बाद कागजात से जुड़ी प्रक्रिया पूरी की गई।

अखिलेश तिवारी ने बताया कि वह लंबे समय से कागजात को लेकर परेशान थे। इसी कारण वह उत्तेजित हो गए। बाद में उनका काम पूरा हो गया।

टीबी के खिलाफ अब युवाओं की ताकत जिले में 'जोश टीम' का आगाज

कलेक्ट्रेट सभागार में शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। टीबी उन्मूलन अभियान को जनभागीदारी से मजबूत करने के लिए जिले में 'जोश टीम' को सक्रिय किया जाएगा। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'टीबी मुक्त भारत अभियान के लिए जोश टीम' के शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडेय, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में युवाओं, माय भारत वॉलंटियर्स और एनसीसी कैडेट्स को अधिक से अधिक 'जोश टीम' से जोड़ने के निर्देश दिए गए। टीम के माध्यम से टीबी के लक्षणों और बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ मरीजों को समय से उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। मरीजों की दवा नियमित चलती रहे, उपचार बीच में न छूटे और जरूरत के अनुसार लगातार फॉलोअप हो, इसके लिए भी सक्रिय भूमिका निभाने को कहा गया।

हरिओम पांडेय ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभी विभागों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। 'जोश टीम' के माध्यम से अभियान को जनस्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।

धर्मराज निषाद ने टीबी मरीजों को समय से दवा उपलब्ध कराने और उपचार का पूरा कोर्स सुनिश्चित करने की जरूरत बताई। सीडीओ वैभव मिश्रा ने कहा कि जिले में 'जोश टीम' के माध्यम से टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और प्रभावी बनाया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को टीबी मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। इसमें एनसीसी नोडल, माय भारत के जिला युवा अधिकारी, पंचायती राज विभाग के अधिकारी, टीबी फ्री ग्राम पंचायतों के प्रधान, एनसीसी और माय भारत वॉलंटियर्स, टीबी विजेता, निक्षय मित्र तथा संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

पुतला दहन से पहले पहुंची पुलिस, कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन नाकाम

तमसा संकेत, संवाददाता



जहांगीरगंज (अंबेडकरनगर)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतला दहन की तैयारी कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया। गुरुवार को हुसैनपुर बाजार में कुछ कांग्रेस कार्यकर्ता पुतला लेकर जुटे थे। पुलिस के पहुंचने पर पुतला कब्जे में ले लिया गया और प्रस्तावित पुतला दहन नहीं हो सका। कांग्रेस नेता सुरेंद्र यादव, अशोक सत्यार्थी, राजीव गुप्ता और निशा देवी समेत कुछ कार्यकर्ता पुतला लेकर कांग्रेस नेता दीपक मिश्रा के आवास पर पहुंचे थे। वहां पुतले पर फोटो लगाने की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान पुलिस को इसकी जानकारी मिल गई। थाना अध्यक्ष रितेश पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के पास मौजूद पुतला अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद पुतला दहन की कोशिश रुक गई। पुलिस की कार्रवाई के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर विरोध जताया। हालांकि पुलिस की मौजूदगी में हुसैनपुर बाजार में पुतला दहन नहीं हो सका। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से पुतला दहन की तैयारी की जा रही थी। कुछ जिला स्तरीय नेताओं के भी मौके पर पहुंचने की बात बताई जा रही थी।

- जहांगीरगंज के हुसैनपुर बाजार में पुतला लेकर जुटे थे कांग्रेस कार्यकर्ता, पुलिस ने कब्जे में लिया पुतला नारेबाजी कर जताया विरोध

गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक एमएलसी सीट से सपा प्रत्याशी का अंबेडकरनगर में पहला दौरा

सेवा सुरक्षा की धाराएं हटाने पर सरकार को घेरा

- संजयन ने मांगी पुरानी पेंशन
- वित्तविहीन शिक्षकों के मानदेय का भी मुद्दा उठाया
- 18 साल से आश्वासन, अब पेंशन का मुद्दा
- सपा सरकार बनी तो पेंशन बहाली का दावा
- भाजपा छोड़कर सपा में आए, कमलेश यादव की जगह मिला टिकट

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक एमएलसी सीट से सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी गुरुवार को अंबेडकरनगर पहुंचे। दोपहर करीब दो बजे सपा कार्यालय पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने शिक्षकों से जुड़े मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। सेवा सुरक्षा, पुरानी पेंशन और वित्तविहीन शिक्षकों के मानदेय को उन्होंने प्रमुख मुद्दा बताया। संजयन त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल की जाएगी। वित्तविहीन शिक्षकों के लिए मानदेय की व्यवस्था लागू करने का भी उन्होंने दावा किया। उन्होंने शिक्षकों से जुड़े मुद्दों को चुनाव के केंद्र में रखने की बात कही। संजयन त्रिपाठी पहले भाजपा में थे। टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने सपा की सदस्यता ली। इसके बाद सपा ने गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक एमएलसी सीट पर पहले घोषित प्रत्याशी कमलेश यादव की जगह उन्हें प्रत्याशी बनाया। स्वागत कार्यक्रम में सपा के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद लालजी वर्मा, विधायक राममूर्ति वर्मा, शंखलाल मांझी, जिलाध्यक्ष जंगबहादुर यादव समेत पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

> सपा प्रत्याशी ने पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की मांग उठाई। उन्होंने वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय देने की भी बात कही। कहा कि शिक्षक 18 वर्षों से आश्वासन का सामना कर रहे हैं। अब उन्हें अपने हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेना होगा।

तीन धाराएं हटने से सेवा सुरक्षा पर सवाल

संजयन त्रिपाठी ने कहा कि सरकार ने सेवा सुरक्षा से जुड़ी तीन धाराएं वापस ली हैं। उनके अनुसार इससे शिक्षकों के हित प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक लंबे समय से अधिकार, सम्मान और सेवा सुरक्षा की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हुआ।

लेखपालों के आंदोलन से प्रमाण पत्रों का काम प्रभावित, छात्रों की बढ़ी चिंता

आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र के लिए लेखपाल रिपोर्ट जरूरी

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ का चरणबद्ध आंदोलन अब राजस्व सेवाओं पर असर डालने लगा है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनवाने वाले लोगों की परेशानी बढ़ रही है। लेखपाल की रिपोर्ट के बिना इन प्रमाण पत्रों की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। इससे लोगों को अपने जरूरी दस्तावेजों के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। आंदोलन का असर छात्र-छात्राओं के जरूरी दस्तावेजों पर भी पड़ सकता है। कॉलेज में प्रवेश और छात्रवृत्ति के आवेदन के लिए कई विद्यार्थियों को आय या जाति प्रमाण पत्र की जरूरत होती है। प्रमाण पत्र समय से नहीं बनने पर आवेदन की अंतिम तिथि निकलने का खतरा रहता है। ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व से जुड़े अन्य कार्यों के लिए भी लेखपाल की रिपोर्ट जरूरी होती है। आंदोलन लंबा चलने पर इन सेवाओं में भी देरी की आशंका है। लेखपाल संघ ने तीन अक्तूबर से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया है। आठ अक्तूबर को ऑनलाइन कार्यों के बहिष्कार और 10 अक्तूबर को काली पट्टी बांधकर काम करने का कार्यक्रम है। 12 अक्तूबर को रक्तदान शिविर और 14 अक्तूबर को मोटरसाइकिल रैली प्रस्तावित है। 17 से 23 अक्तूबर तक तहसील मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन होगा। इसके बाद 24 अक्तूबर से जिला मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की घोषणा की गई है।लेखपाल संघ प्रारंभिक वेतनमान में 2800 ग्रेड पे, अंतर मंडलीय स्थानांतरण और पदोन्नति सूची जारी करने की मांग कर रहा है। इसके अलावा लेखपालों की भर्ती बढ़ाने, पटलों से लेखपालों को हटाने तथा तकनीकी कार्यों के लिए लैपटॉप और मोबाइल उपलब्ध कराने की मांग भी शामिल है। ग्राम सचिवालयों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई है। मानवाधिकार संघर्ष प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष पीएम मिश्रा ने कहा कि मांगों पर शासन को लेखपाल संघ से वार्ता करनी चाहिए। साथ ही आंदोलन के दौरान आम लोगों और विद्यार्थियों के जरूरी कार्य प्रभावित न हों, इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

शादी का झांसा देकर नाबालिग को भगाया, दुष्कर्म में 10 साल की सजा

आलम को पॉक्सो अदालत ने ठहराया दोषी

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। नाबालिग को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो अदालत ने जलालपुर कस्बा निवासी आलम को दोषी करार दिया है। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मोहन कुमार ने उसे 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने विभिन्न धाराओं में कुल 36 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार 10 अगस्त 2016 को आलम करीब 17 वर्षीय नाबालिग को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया था। आरोप है कि इसके बाद उसने पीड़िता के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। अभियोजन के मुताबिक पीड़िता करीब पांच वर्ष तक उसके साथ रही। वर्ष 2021 में आलम पीड़िता को लेकर अपने घर पहुंचा। इसकी जानकारी होने पर पीड़िता के भाई ने पुलिस को सूचना दी। उस समय आलम ने उससे शादी करने की बात कही। हालांकि मार्च 2021 में वह पीड़िता को छोड़कर चला गया।

पीड़िता ने अदालत में दिए बयान में आलम पर प्रेम और शादी का झांसा देकर ले जाने तथा जबरन शारीरिक संबंध बनाने की बात कही। दोनों पक्षों को सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आलम को दोषी करार दिया। अदालत ने 36 हजार रुपये अर्थदंड जमा होने पर उसकी 75 प्रतिशत राशि पीड़िता को प्रतिकर के रूप में देने का आदेश दिया है।

अनदेखी: जीवत क्रय केंद्र पर 90 बोरी की सीमा के मुकाबले अधिक गेहूं मिलने का मामला

135 बोरी गेहूं ने खोली खरीद की गड़बड़ी, सचिव पर एफआईआर

जांच

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। बी-पैक्स जीवत स्थित गेहूं क्रय केंद्र पर खरीद के नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। जांच के दौरान केंद्र पर निर्धारित सीमा से अधिक गेहूं मिलने के बाद खरीद प्रक्रिया पर सवाल उठे। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता राघवेंद्र प्रताप शुक्ल की तहरीर पर केंद्र प्रभारी और सचिव धर्मेंद्र कुमार के खिलाफ जलालपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सहकारिता विभाग की जांच रिपोर्ट में खरीद प्रक्रिया में नियमों के उल्लंघन का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट में बिचौलियों या फर्जी किसानों के माध्यम से गेहूं खरीद कर अनुचित लाभ पहुंचाए जाने की आशंका भी जताई गई है। जिला विपणन अधिकारी की दो मई की रिपोर्ट को भी जांच अभिलेख में शामिल किया गया है। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता की तहरीर के आधार पर जलालपुर पुलिस ने सचिव धर्मेंद्र कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। अब पुलिस क्रय केंद्र के अभिलेख, किसानों के पंजीकरण, खरीद संबंधी रिकॉर्ड और गेहूं की तौल से जुड़े दस्तावेजों की जांच करेगी। जलालपुर कोतवाली निरीक्षक अजय प्रताप यादव ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

> जांच के दौरान केंद्र प्रभारी ने नियमों की जानकारी नहीं होने की बात कही। यह भी बताया गया कि कुछ गेहूं किसानों के घर से तौल कराया गया। जांच रिपोर्ट में उल्लेख है कि खरीद शुरू होने से पहले केंद्र प्रभारी को नियमों की जानकारी और प्रशिक्षण दिया गया था।

90 बोरी की सीमा, मौके पर मिली 135 बोरी

मामले की शुरुआत किसान सुशील कुमार चौधरी की शिकायत के बाद हुई जांच से हुई। 30 अप्रैल को अधिकारियों ने केंद्र का निरीक्षण किया। उस समय मौके पर कोई किसान मौजूद नहीं था। केंद्र प्रभारी ने बताया कि वहां रखा गेहूं देवमणि द्विवेदी का है, लेकिन वह भी मौके पर नहीं मिले। जांच में सामने आया कि क्रय केंद्र पर एक किसान के नाम अधिकतम 45 क्विंटल यानी 90 बोरी गेहूं दर्ज किया जा सकता था। इसके बावजूद मौके पर 135 बोरी गेहूं मिली। बाद में सुनीमणि द्विवेदी के पंजीकरण का भी उल्लेख किया गया, लेकिन निरीक्षण के समय इससे संबंधित विवरण उपलब्ध नहीं कराया जा सका।

मरीजों को संक्रमण से बचाव और स्वच्छता का संदेश

मेडिकल कॉलेज में 'हमारा संकल्प' कार्यक्रम



तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सेवा संकल्प अभियान के तहत महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में मरीजों और तीमारदारों को स्वास्थ्य, स्वच्छता और संक्रमण से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। कॉलेज ऑफ नर्सिंग के बैच-2024 के छात्र-छात्राओं ने 'हमारा संकल्प' कार्यक्रम के माध्यम से मरीजों की बेहतर देखभाल और सुरक्षित वातावरण का संदेश दिया।

नर्सिंग विद्यार्थियों ने मरीजों और तीमारदारों को अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के उपाय बताए। संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी सावधानियों की जानकारी दी गई। बेहतर पेशेंट केयर में व्यवहार और स्वच्छ वातावरण की भूमिका के बारे में भी बताया गया।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुकेश यादव ने कहा कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार देने के साथ उनकी बेहतर देखभाल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी जरूरी है। उन्होंने नर्सिंग विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना की।

सम्पादकीय

मोदी शासन के 25 वर्ष



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने प्रशासनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देश के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने का संकल्प व्यक्त करते हुए यह जो कहा कि वे विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे, वह एक कठिन लक्ष्य अवश्य है, लेकिन असंभव नहीं।

इसका कारण यह है कि उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर इस राज्य की तस्वीर बदलने में ऐसी सफलता प्राप्त की कि उनके गुजरात माडल ने देश का ध्यान अपनी ओर खींचा और इसी कारण वे प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए। प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने मनमोहन सरकार की नीतिगत पंगुता से उपजे निराशाजक माहौल को दूर किया और शासन के तौर-तरीके में बुनियादी बदलाव लाए। अपने 12 साल के कार्यकाल में उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी है कि उसकी कोई भी अनदेखी नहीं कर सकता। उन्होंने अर्थव्यवस्था से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा तक एक साथ कई मोर्चों पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की और देश को प्रगति पथ पर तेजी के साथ अग्रसर किया। उनकी जनकल्याणकारी और विकास योजनाओं के चलते आज देश की भी तस्वीर बदल चुकी है। यह संभव हुआ उनकी प्रबल राजनीतिक इच्छाशक्ति और साहसिक फैसले लेने की क्षमता के कारण। उनकी कार्यशैली ने देश के साथ दुनिया का भी ध्यान अपनी ओर खींचा तो इसीलिए कि उन्होंने अपनी योजनाओं को प्रभावी तरीके से अमल में लाकर किसी न किसी रूप में हर भारतीय के जीवन को प्रभावित किया। इसी के साथ उन्होंने अपनी विदेश नीति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारत का मान भी बढ़ाया। इसी कारण वे पिछले एक दशक से अधिक समय से विश्व के लोकप्रिय शासकों में शीर्ष पर अपना स्थान बनाए हुए हैं। इतने लंबे समय तक किसी शासक का देश-विदेश में लोकप्रिय बने रहना अपने आप में एक उपलब्धि है। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से लिए गए ऐसे फैसलों की एक लंबी सूची है, जिन्होंने उन्हें एक सक्षम शासक के रूप में स्थापित करने के साथ ही यह भी सिद्ध किया कि वे कठिन से कठिन चुनौतियों का सामना करना और उनसे पार पाना जानते हैं। उनके शासन की एक विशेषता यह भी रही कि उन्होंने देश के स्वाभिमान और संस्कृति को भी शिखर पर ले जाने का काम किया, लेकिन अब जब वे विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रतिबद्धता जता रहे हैं, तब यह भी ध्यान रखना होगा कि इस लक्ष्य के सामने कुछ बाधाएं हैं। इनसे पार पाने के लिए सबसे अधिक आवश्यक यह है कि देश की नौकरशाही अपना रवैया बदले। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि तमाम प्रगति और परिवर्तन के बावजूद कुछ मामलों में भारत अभी कुछ प्रमुख विकासशील देशों जैसा भी नहीं बन पाया है। इसके कारणों की पहचान कर उनका सही तरह निवारण करना मोदी शासन की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए।

नाना पाटेकरः अभिनय की आग में तपा असाधारण कलाकार



कला नाना के जीवन में आरंभ से थी। उन्होंने सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट में शिक्षा ली और व्यावसायिक कलाकार के रूप में काम किया। लेकिन उनका वास्तविक विद्यालय था रंगमंच।

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना है। नाना पाटेकर उन्हीं विरल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगकर्मी थे, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहरे सम्मान एवं समर्पण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज में खुरदुरापन था, संवादों में धार थी, आंखों में आक्रोश और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजावटी कला नहीं बनाया, बल्कि उसे यथार्थ जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी प्रतिकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक अपरिहार्य नाम थे और ज्यादातर फिल्मप्रेमियों के लिये अजीज भी थे। नाना की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षो को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार हैं, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। नाना का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। उन्होंने अपने किरदार से राष्ट्रीयता की भावना को भी सुदृढ़ किया। नाना का सफरनामा पूरी तरह मायूस हो चुके किसी भी इंसान के लिये प्रेरणादायी अध्याय भी है, उत्साह की मिसाल भी है। नाना पाटेकर का वास्तविक नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ। बचपन सामान्य था, लेकिन किशोरावस्था में ही परिवार आर्थिक संकट में घिर गया। पिता का कारोबार डूब गया और महज 13 वर्ष की उम्र में नाना को परिवार की मदद के लिए काम करना पड़ा। वे स्कूल के बाद मुंबई में फिल्म पोस्टर रंगते थे और करीब 35 रुपये महीने कमाते थे। काम पर जाने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बदले में एक वक्त का भोजन भी मिलता था। गरीबी और अभाव ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि भीतर से गढ़ा। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि भूख और अपमान ने उन्हें जीवन को समझना सिखाया। मराठी रंगमंच की प्रख्यात निर्देशिका विजया मेहता के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। हमीदाबाईची कोठी जैसे नाटकों ने उन्हें गंभीर रंगकर्मी के रूप में पहचान दी। रंगमंच ने उन्हें संवाद बोलना ही नहीं, बल्कि संवाद के पीछे छिपी भावना को जीना सिखाया। नाना के करियर की शुरूआत फिल्म 'गमन' से हुई थी लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म 'परिंदा' से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। क्रांतिवीर, खामोशी, यशवंत, अब तक छप्पन, अपहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुरुआती वर्षों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अंकुश और सलाम बॉम्बे! जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाई। इसके बाद नाना पाटेकर ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक अलग भाषा निर्मित की। 'अंगार' में उनका नकारात्मक किरदार, 'तिरंगा' में देशभक्ति से ओतप्रोत शिवाजी राव वागले, 'क्रांतिवीर' में प्रखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक, 'अग्निसाक्षी' में जटिल मानसिकता वाला पात्र और 'खामोशीः द म्यूजिकल' में संवेदनशील पिता-हर भूमिका में वे बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, जबकि अग्निसाक्षी के लिए फिर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए। इस तरह वे तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाले विशिष्ट अभिनेताओं में शामिल हुए। नाना की अभिनयशैली का सबसे बड़ा गुण था स्वाभाविकता के भीतर तीव्रता। वे संवाद को केवल बोलते नहीं थे, उसे जीते थे। उनकी आवाज कभी धीमी फुसफुसाहट बन जाती तो कभी विस्फोट की तरह फूटती। उनका चेहरा, आंखों की हरकत, हाथों का इस्तेमाल, अचानक आने वाला ठहराव और फिर तेज गति से निकलते संवाद-इन सबका अपना नाटकीय व्याकरण था। उनकी संवाद-अदायगी इतनी विशिष्ट थी कि साधारण वाक्य भी उनके मुंह से निकलकर यादगार बन जाता था। वे संवादों को अभिनय से बड़ा नहीं होने देते थे, बल्कि अभिनय के माध्यम से संवाद को अर्थ देते थे।

नाना की लोकप्रियता का एक अलग अध्याय 'वेलकम' है। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले नाना ने उदय शेट्टी के रूप में ऐसी कॉमेडी की कि नई पीढ़ी भी उनकी मुरीद हो गई। उनका "कंट्रोल, उदय, कंट्रोल!" जैसे संवाद और चेहरे के हावभाव आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा हैं। यह उनकी अभिनय-बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था कि जो कलाकार परिंदा और क्रांतिवीर में दर्शकों को भीतर तक हिला सकता था, वही वेलकम में उन्हें खुलकर हंसा भी सकता था। 2000 के दशक में 'अब तक छप्पन', अपहरण, शक्तिः द पावर, राजनीति जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र और अनुभव के साथ अपने अभिनय को और गहरा किया। अब तक छप्पन के पुलिस अधिकारी का किरदार हो या राजनीति में राजनीतिक संघर्षों के बीच खड़ा चरित्र-नाना हमेशा चरित्र की भीतरी बेचैनी को सामने लाते थे। मराठी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। 'नटसम्राट' (2016) में रंगमंच के दिग्गज कलाकार की भूमिका उनके करियर की सबसे मार्मिक प्रस्तुतियों में गिनी जाती है।

नाना केवल अभिनेता बनकर संतुष्ट नहीं थे। 'प्रहारः द फाइनल अटैक' का निर्देशन करके उन्होंने यह साबित किया कि उनके भीतर निर्देशक और लेखक भी मौजूद है। इस फिल्म की तैयारी के दौरान उन्होंने सेना का कठोर प्रशिक्षण लिया। आगे चलकर उनका भारतीय सेना से संबंध वास्तविक जीवन का हिस्सा बन गया। वे टेरिटोरियल आर्मी से जुड़े और लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद तक पहुंचे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे।

-ललित गर्ग

देवी दुर्गा को 'दुर्गतिनाशिनी'...

उमेश कुमार साहू

नवरात्रि : देह-रूपी मंदिर को शुद्ध करने का महापर्व

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ आस्था और विज्ञान एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। नवरात्रि केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या उपवास का पर्व नहीं है, बल्कि यह पराशक्ति माँ दुर्गा के माध्यम से प्रकृति, शरीर और मन के कायाकल्प की एक सुव्यवस्थित वैज्ञानिक संहिता है। वर्ष में दो प्रमुख नवरात्रियाँ - चैत्र और शारदीय, ऋतु परिवर्तन (ऋतुसंधि) के ऐसे संवेदनशील मोड़ पर आती हैं, जब बाह्य प्रकृति और आंतरिक शरीर दोनों बड़े संक्रमण से गुजर रहे होते हैं। हमारे ऋषियों ने इस कालखंड में माँ दुर्गा की शक्ति-साधना को माध्यम बनाकर जनमानस को एक ऐसा जीवन-दर्शन दिया, जिसमें आध्यात्मिक ऊर्जा, जैविक शोधन और मानसिक संतुलन एकाकार हो जाते हैं।

देवी दुर्गा को 'दुर्गतिनाशिनी' और 'महिषासुर मर्दिनी' कहा गया है। यदि इसे आधुनिक जैविकी (Biology) के चश्मे से देखें, तो माँ दुर्गा वस्तुतः हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता (Immunity System) का ही दिव्य और साकार प्रतीक हैं।

ऋतुसंधि के समय जब तापमान और वायुदाब बदलते हैं, तब वातावरण में वायरस, बैक्टीरिया और फंगल संक्रमण अप्रत्याशित रूप से बढ़ते हैं। यही वह 'महिषासुर' यानी तमोगुणी, आलस्य और रोगों का समूह है जो हमारे शरीर पर आक्रमण करता है। इस समय शरीर की मंद पड़ चुकी 'जठराग्नि' को तेज करने और श्वेत रक्त कोशिकाओं की मारक क्षमता को जगाने के लिए नौ दिन के अनुशासन की आवश्यकता होती है। जिस प्रकार माँ दुर्गा अष्टभुजाओं में विभिन्न अस्त्र-शस्त्र धारण कर दैत्यों का संहार करती हैं, ठीक उसी तरह नौ दिनों का उपवास और संयम शरीर के भीतर हानिकारक टॉक्सिन्स और रोगजनकों को नष्ट करने का 'सेलुलर डिफेंस' तैयार करता है।

नवदुर्गा के नौ स्वरूप : चेतना और जीवनशैली के 9 सोपान

माँ दुर्गा के नौ रूपों का क्रम केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि मानव शरीर की ऊर्जा-प्रणाली और समग्र स्वास्थ्य के क्रमिक विकास का नक्शा हैः

शैलपुत्री (मूलाधार चक्र व स्थिरता) : हिमालय की पुत्री का यह रूप शरीर को पृथ्वी तत्व और दृढ़ता प्रदान करता है। ऋतु परिवर्तन के पहले दिन व्यक्ति को आहार में संयम रखकर मन और शरीर को 'ग्राउंड' (स्थिर) करने की प्रेरणा मिलती है।

ब्रह्मचारिणी (तप और न्यूरोप्लास्टिसिटी) : ज्ञान और संयम का यह स्वरूप हमारे तंत्रिका तंत्र के स्वनियमन से जुड़ा है। उपवास के दौरान मानसिक अनुशासन से मस्तिष्क में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। चंद्रघंटा (अल्फा तरंगे व तनाव मुक्ति) : घंटे के नाद से निकलने वाली ध्वनि तरंगे मस्तिष्क की 'अल्फा तरंगों' को सक्रिय करती हैं, जिससे कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर घटता है।

कूष्मांडः (ऊर्जा का स्रोत और मेटाबॉलिज्म): ब्रह्मांड को अपनी मुस्कान से उत्पन्न करने वाली देवी हमारे भीतर की 'प्राण ऊर्जा' और मेटाबॉलिज्म की नियंत्रक हैं।

स्कंदमाता (वात्सल्य और एंडोक्राइन संतुलन) : मातृत्व शक्ति शरीर के हार्मोनल चक्र (विशेषकर थायरॉइड और प्रजनन ग्रंथियों) को संतुलित रखने का संदेश देती है।

कात्यायनी (प्रतिरक्षा और एंटी-इन्फ्लेमेटरी शक्ति) : यह रूप शरीर के भीतर की सूजन (Inflammation) और संक्रामक तत्वों को नष्ट करने वाली शक्ति है।

कालरात्रि (ऑटोफैगी और डिटॉक्स) : अज्ञान और विकारों का नाश करने वाली देवी शरीर के सेलुलर स्तर पर पुरानी और रोगग्रस्त कोशिकाओं के विनाश का प्रतीक हैं।

महागौरी (कोशिकीय पुनर्जीवन) : जब शरीर के विषैले तत्व निकल जाते हैं, तब नई, स्वस्थ कोशिकाओं का जन्म होता है - यही 'गौर' यानी निर्मलता है।

सिद्धिदात्री (होमियोस्टैसिस) : नौ दिन के शोधन के बाद जब शरीर और मन पूर्ण संतुलन पा लेते हैं, वही पूर्ण स्वास्थ्य की 'सिद्धि' है।

इस परियोजना ...

इंजेश सिंह

कुटौंद शाखा नहर के पुनर्स्थापना कार्य से बुंदेलखंड के 250 गांवों के 60,954 किसानों को मिला लाभ

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और किसानों को पर्याप्त जल उपलब्ध कराने की दिशा में कुटौंद शाखा नहर के पुनर्स्थापना कार्य की परियोजना किसानों के हित में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है। बेतवा नहर प्रखण्ड द्वितीय, उरई के अंतर्गत प्रस्तावित कुटौंद शाखा के किलोमीटर 45.000 से 105.210 तक पुनर्स्थापना कार्य से नहर की क्षमता और जल प्रवाह व्यवस्था को बेहतर बनाया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य नहर के टेल भाग तक सुगमता से पानी पहुंचाना तथा लंबे समय से सिंचाई सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे किसानों को भरोसेमंद जल उपलब्ध कराना प्रमुख रहा। वर्ष 2025-26 में प्रस्तावित इस परियोजना को क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कुटौंद शाखा नहर के टेल भाग की नहरों में पानी पहुंचाना लंबे समय से एक चुनौती रहा है। नहर के अंतिम छोर तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाने के कारण बड़ी संख्या में किसानों को सिंचाई के लिए वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे खेती की लागत बढ़ती थी और फसलों की उत्पादकता भी प्रभावित होती थी। पुनर्स्थापना कार्य पूरा होने के बाद इस समस्या के स्थायी समाधान से किसानों में खुशी छाई है।

किसी भी नहर प्रणाली की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसका पानी अंतिम छोर यानी टेल तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंचता है। कुटौंद शाखा नहर में भी टेल भाग तक पानी की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण विषय रहा है। प्रस्तावित पुनर्स्थापना कार्य के माध्यम से नहर की जल वहन क्षमता और प्रवाह व्यवस्था को बेहतर किया गया है, जिससे टेल क्षेत्र के किसानों को भी निर्धारित मात्रा में सिंचाई जल मिल रहा है। नहर में पानी की, सुचारु उपलब्धता से किसानों को समय पर खेतों की सिंचाई करने का अवसर मिला है। इसका सीधा असर फसल उत्पादन पर पड़ेगा। पर्याप्त सिंचाई मिलने से किसान अधिक क्षेत्र में खेती कर सकेंगे और एक से अधिक फसल लेने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। इससे कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम लगभग 1320 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होना है। सिंचाई का दायरा बढ़ने से वर्तमान में सीमित जल सुविधा वाले खेतों को भी नहर का पानी मिल रहा है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र में यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है, जहां कृषि काफी हद तक वर्षा और सीमित जल संसाधनों पर निर्भर रहती है। बारिश की अनिश्चितता किसानों के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। कभी अत्यधिक वर्षा तो कभी लंबे समय तक बारिश न होने की स्थिति में फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में नहर आधारित सिंचाई किसानों को एक भरोसेमंद जल स्रोत उपलब्ध कराती है। कुटौंद शाखा के पुनर्स्थापना कार्य से सिंचाई का अतिरिक्त क्षेत्र बढ़ने पर किसानों की वर्षा पर निर्भरता कम हो रही है और कृषि गतिविधियों को स्थायित्व मिला है।

विकल्पों की अधिकता

विकल्पों की अधिकता - एक मनोवैज्ञानिक सच्चाईं हैं जो हमारी खुशियों को चुपचाप खाती रहती हैं । हौसलों की बुलंदियों के साथ आत्मविश्वास के पंख लगा, लक्ष्य को पाने के जुनून को लिए जब हम मंजिल की ओर कदम बढ़ाते हैं तो सफलता स्वयं आगे बढ़कर हमको गले लगाती हैं। और यही ख़ुशी हमारे लिए अत्यंत ही प्रसन्नता लेकर आती हैं। हमारे जीवन में शोर्टकट तो राह में कटी हुई टहनियों की तरह हैं जो हमको थोड़ी बहुत छांव देती है पर यह हद से ज़्यादा घाव देती है इसलिए हम काम इतनी शांति और संतुष्टि से करे कि सफलता हमारे शोर मचा दे । आज का युग विकल्पों का युग हैं । हमारे जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र बचा हों , जहां चुनने के लिए अनेक विकल्प उपलब्ध न हों । आज की दुनिया में चुनने को , करने को बहुत कुछ हैं - कपड़े, खाना,करियर,पार्टनर,फ़ोन, लैपटॉप, गाड़ी, पर्यटन स्थल, होटल, यहां तक कि कौन - सी जगह क्या हैं, या गाड़ी में चलते क्या सुनना हैं, यह भी एक चुनौती बन चुका हैं । शायद इसी कारण आज हमारे पास साधन अधिक हैं , सुविधाएं अपार हैं, पर हमारे को प्रसन्नता का अभाव महसूस किया जा रहा हैं । समय बहुमूल्य हैं । हर क्षण जो बीत रहा है, अतुल्य है। क्योंकि > वह केवल टिक-टिक करती घड़ी की सुई नहीं, जीवन की ऊर्जा है। इसीलिए समय के तुल्य कोई दूजा नहीं है। हम यदि समय को हल्के में लेते हैं तो अपने जीवन को हल्के में लेते हैं। हम यदि समय को कम महत्व देते हैं तो समझ लीजिए हम अपने जीवन को कम महत्व देते हैं। अतः हम अपने समय का सम्मान करें, क्षण-क्षण को बहुमान दें । उसे व्यर्थ विचारों में,निरर्थक आचारों में न गंवाएं । समय का सम्मान बहुमूल्य आत्म-सम्मान है । हम समय के साथ सदा ईमानदार रहें । उसे टालमटोल में न गंवाएं। यही हमारे जीवन का मूलाधार हैं । यह स्वाभाविक है कि हर आदमी सफल होना चाहता है।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

इस संग्रहालय की ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

कौशांबी में बौद्ध पर्यटन का समग्र विकासः विश्वस्तरीय सुविधाओं से संवर रही तथागत की ऐतिहासिक धरा

प्राचीन ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक वैभव से संपन्न कौशांबी जनपद को वैश्विक पर्यटन पटल पर स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन द्वारा सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं। भगवान बुद्ध की पावन स्मृतियों को संजोए इस जनपद को उत्तर प्रदेश के 'बौद्ध सर्किट' का अभिन्न केंद्र बनाया गया है। इसके अंतर्गत प्राचीन पुरातात्विक धरोहरों के वैज्ञानिक संरक्षण के साथ-साथ पर्यटकों के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाओं का तीव्र गति से विकास किया जा रहा है। कौशांबी के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग द्वारा विकास खंड कौशांबी के ग्राम कोसम इनाम में लगभग 13.15 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। इस चयनित स्थल पर लगभग 89 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत पर्यटन विकास की वृहद परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और शोधार्थियों को सुगम नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा कौशांबी के समृद्ध इतिहास से परिचित कराना है। परियोजना के प्रमुख घटकों में कोसम इनाम में स्थापित हो रहा भव्य बौद्ध थीम पार्क, पर्यटक सुविधा केंद्र (टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर -टीएफसी) और भव्य प्रवेश द्वार (गेट कॉम्प्लेक्स) शामिल हैं। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को सौंपी गई थी। निर्माण एजेंसी द्वारा तत्परता से कार्य करते हुए इन तीनों प्रमुख संरचनाओं का लगभग 90 प्रतिशत भौतिक निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बौद्ध थीम पार्क को भगवान बुद्ध के जीवन दर्शन और उनकी शांति की शिक्षाओं के अनुरूप प्राकृतिक परिवेश में विकसित किया जा रहा है। यहां निर्मित हो रहा पर्यटक सुविधा केंद्र आगंतुकों के लिए वन-स्टॉप सेंटर की भूमिका निभाएगा। इस परिसर में अत्याधुनिक सूचना केंद्र, कैफेटेरिया, प्रतीक्षालय, स्वच्छ पेयजल, सुव्यवस्थित पार्किंग, हरित पट्टी और पैदल पथ की उच्चस्तरीय व्यवस्था की जा रही है, जिससे विदेशी पर्यटकों को भी सुगम और सहज अनुभव प्राप्त हो सके। इसी परिसर में जनपद की ऐतिहासिक और पुरातात्विक थाती को सुरक्षित रखने के लिए एक अत्याधुनिक संग्रहालय का निर्माण भी कराया जा रहा है। इस संग्रहालय के निर्माण का दायित्व कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (सीएंडडीएस) को सौंपा गया है। कार्यदायी संस्था द्वारा प्रारंभ किए गए इस संग्रहालय भवन का लगभग 70 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

इस संग्रहालय की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह होगी कि इसमें कौशांबी के ऐतिहासिक उत्खनन से प्राप्त दुर्लभ पुरावशेषों को पुनः स्थापित और प्रदर्शित किया जाएगा। पूर्व में घोषिताराम विहार, कुक्कुटाराम विहार और पावारिक आम्रवन के पुरातात्विक उत्खनन के दौरान प्राप्त भगवान बुद्ध के कालखंड की दुर्लभ मूर्तियां, मृदभांड, मुद्राएं और वास्तुशिल्प अवशेष वर्तमान में प्रयागराज स्थित केंद्रीय संग्रहालय में संरक्षित हैं। संग्रहालय का निर्माण पूर्ण होते ही जिला प्रशासन और संस्कृति विभाग के समन्वय से इन ऐतिहासिक स्मृतियों को कौशांबी लाकर जनसामान्य के दर्शनार्थ प्रदर्शित करने की कार्ययोजना है। कौशांबी की इस आध्यात्मिक पहचान को विस्तार देने के लिए परिसर में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के विपश्यना (ध्यान) केंद्र की स्थापना की जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए लगभग 34 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। वर्तमान में इसकी निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है। इस केंद्र के स्थापित होने से कौशांबी केवल दर्शनीय स्थल न रहकर गहन आत्मिक शांति और ध्यान-साधना का एक वैश्विक केंद्र बनकर उभरेगा। प्रस्तावित विपश्यना केंद्र को पूर्णतः प्राकृतिक, शांत और कोलाहल मुक्त वातावरण में रूपांकित किया जा रहा है। इसमें साधकों के लिए वृहद ध्यान कक्ष, आवासीय ब्लॉक, पुस्तकालय और सात्विक दिनचर्या के अनुकूल सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्राचीन बौद्ध परंपरा पर आधारित ध्यान पद्धति में रुचि रखने वाले देश-विदेश के साधक यहां प्रवास कर मानसिक शांति और आत्म-साक्षात्कार का अभ्यास कर सकेंगे। इससे जिले में दीर्घकालिक प्रवास वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। कौशांबी में पर्यटकों की सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कनेक्टिविटी के बुनियादी ढांचे को भी समानांतर रूप से सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रयागराज हवाई अड्डे से कौशांबी तक यात्रा को सुगम बनाने के लिए फोरलेन सड़क संपर्क को गति दी गई है, साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग तंत्र से भी जिले को बेहतर तरीके से जोड़ा गया है। इससे सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती और संकिसा जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सर्किट के तीर्थयात्री निर्बाध रूप से कौशांबी को अपनी यात्रा का मुख्य पड़ाव बना सकेंगे।

पर्यटन विकास की इन व्यापक पहलों का सीधा और सकारात्मक प्रभाव कौशांबी जनपद की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर परिलक्षित होगा। ऐतिहासिक स्थलों के पुनरुद्धार और सुविधाओं के विस्तार से जनपद में पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। पर्यटकों के सतत आवागमन से आतिथ्य क्षेत्र, होटल, होम-स्टे, रेस्टोरेंट और परिवहन व्यवसाय में नए निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा। पर्यटन क्षेत्र के इस विस्तार से स्थानीय युवाओं और कारीगरों के लिए आजीविका एवं स्वरोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय युवाओं को पेशेवर टूरिस्ट गाइड और हॉस्पिटैलिटी प्रबंधन से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जनपद के पारंपरिक हस्तशिल्प, स्थानीय कृषि उत्पाद और कुटीर उद्योगों को पर्यटकों के माध्यम से एक नया बाजार उपलब्ध होगा, जिससे ग्रामीण आर्थिकी को सीधा संबल मिलेगा। जिला प्रशासन और संबंधित कार्यदायी संस्थाओं द्वारा सभी निर्माण परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता की नियमित निगरानी की जा रही है। उच्च स्तरीय मानकों को सुनिश्चित करने के साथ-साथ यह ध्यान रखा जा रहा है कि आधुनिक निर्माण कार्यों से कौशांबी की मूल पुरातात्विक संरचना और प्राकृतिक संतुलन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर जनता को समर्पित करने का लक्ष्य है। कौशांबी की प्राचीन बौद्ध विरासत, ऐतिहासिक गौरव और आधुनिक पर्यटन अधोसंरचना का यह संगम जनपद को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान दिलाएगा। प्रदेश सरकार की इस समग्र विकास नीति से कौशांबी आने वाले समय में आध्यात्मिक शांति, ऐतिहासिक अनुसंधान और सांस्कृतिक पर्यटन का एक प्रमुख गंतव्य बनकर उभरेगा, जिससे क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा।

आईआईआईटी परिसर जलमग्न, आपदा प्रबंधन दफ्तर तक पहुंची गोमती, फर्रुखाबाद में ओले गिरे

बाढ़ के बीच बारिश पलासियो मॉल टापू बना

समस्या

- रायबरेली में सई नदी उफान पर, घरों में घुसा पानी
- लखनऊ में बाढ़ बढ़ी, आईआईआईटी कैंपस तक पहुंचा पानी हॉस्टल खाली कराया गया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में बाढ़ के बीच फिर से मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, वाराणसी, बाराबंकी, सीतापुर और उन्नाव समेत 6 शहरों में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। फर्रुखाबाद में ओले गिरे। तेज हवाओं की वजह से कई पेड़ गिर गए। लखनऊ में गोमती नदी का अब भी उफान पर है। जलस्तर 10वें दिन भी बढ़ रहा है। पलासियो मॉल टापू बन गया है। अगल-बगल की सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया है। इकाना स्टेडियम और आपदा प्रबंधन दफ्तर तक पानी पहुंच गया है। IIIT परिसर भी जलमग्न है। इसके चलते संस्थान को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। परीक्षाएं टाल दी गई हैं। फैजुल्लागंज इलाके में 40 हजार घरों में 8 दिन से 5-6 फीट तक पानी भरा है। आज 42 जिलों में बारिश का अलर्ट है। लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि यूपी के ऊपर पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हुआ है। इसके चलते मौसम बदला है। रायबरेली जिले में बारिश रुकने के बाद भी सई नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। करीब 10 गांव घिर गए हैं। लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में बाढ़ का पानी IIIT लखनऊ परिसर में घुसने के बाद संस्थान को अगले आदेश तक बंद कर दी गई हैं। बुधवार को होने वाली एमटेक परीक्षाएं भी बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्थगित कर दी गई हैं।



उन्नाव में बदला मौसम, बारिश से 3 डिग्री गिरा तापमान

उन्नाव में बुधवार देर रात अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हुई। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे तेज बारिश हुई। तापमान में करीब 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। फर्रुखाबाद में गुरुवार सुबह करीब 5 बजे अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। करीब 25 मिनट तक बारिश हुई। ओले भी गिरे। तेज हवा के कारण कई जगह पेड़ गिर गए।



रायबरेली जिले में बारिश रुकने के बाद भी सई नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। करीब 10 गांव घिर गए हैं।

लखनऊ में बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंची मेयर सुषमा खर्कवाल

45 बीघा सरकारी जमीन पर प्लॉटिंग की जांच के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेसियों ने गुरुवार को मटकी लेकर प्रदर्शन किया। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदेश मुख्यालय से हजरतगंज की तरफ बढ़े। कुछ दूरी पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। यहां से कार्यकर्ता आगे नहीं बढ़ सके तो बैरिकेडिंग पर चढ़ने लगे।

इस पर पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेना शुरू कर दिया। इस दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू भी हिरासत में ले लिए गए। कांग्रेसियों ने हाथ में काली पट्टी बांध रखी थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लोकतंत्र का हत्यारा बताया। प्रदर्शन दोपहर 3:30 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम हजरतगंज जाने का था, लेकिन पुलिस ने पार्टी दफ्तर के बाहर रोक लिया।



यह प्रदर्शन चुनावी प्रक्रिया को लेकर पार्टी की ओर से उठाए जा रहे सवालों के समर्थन में था। कांग्रेस ने देशव्यापी प्रदर्शन के तहत 8 अक्टूबर को राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था। इसी को लेकर कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस की ओर से ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इससे पहले भी लखनऊ में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की थी और कुछ नेताओं-कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया था।

फास्ट न्यूज

डिवाइडर से टकराने पर बाइक सवार की मौत

दुबग्गा। लखनऊ में डिवाइडर से टकराने पर तेज रफ्तार बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर एक युवक की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे युवक को भी चोटें आई हैं। परिजनों ने गुरुवार को गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। काकोरी थाना क्षेत्र में मोहिउद्दीनपुर ब्रिज पर बुधवार रात की है। पुलिस के मुताबिक बुधवार रात करीब नौ बजे मोहिउद्दीनपुर ब्रिज पर हादसे की सूचना मिली थी।

नाना पाटेकर ने विलक्षण अभिनय से भारतीय सिनेमा को किया समृद्ध

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रख्यात अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक जताया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा कि प्रख्यात अभिनेता, रंगमंच के सशक्त कलाकार एवं संवेदनशील समाजसेवी 'पद्म श्री' नाना पाटेकर जी का निधन कला जगत की अपूरणीय क्षति है।

मुख्यमंत्री ने लिखा कि नाना पाटेकर ने अपने विलक्षण अभिनय से भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया और अपने सामाजिक सरोकारों से समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी अभिव्यक्त किया।

75 जिलों के एनएचएम कर्मियों का प्रदर्शन

बोलीं- लंबे समय से संविदा पर काम कर रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में गुरुवार को इको गार्डन में प्रदेश के 75 जिलों से आए NHM कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। NHM संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले हुए प्रदर्शन में हजारों कर्मचारी शामिल हुए। कर्मचारियों ने नियमित करने, समान काम-समान वेतन, आउटसोर्स कर्मचारियों को NHM में शामिल करने और ट्रांसफर की सुविधा देने की मांग की। इस दौरान उन्होंने जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में ANM, स्टाफ नर्स, LT, फार्मासिस्ट, डॉक्टर, CHO और एडमिन स्टाफ समेत कई संवर्गों के कर्मचारी शामिल रहे। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से संविदा पर काम कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस फैसला नहीं हुआ है। संघर्ष समिति की प्रदेश संयोजिका सुनैना अरोड़ा ने कहा कि कर्मचारी 28 साल तक संविदा पर काम करते हुए अपना जीवन खपा चुके हैं। इसके बावजूद उन्हें स्थायी कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर 28 साल तक लगातार काम करने वाला कर्मचारी भी नियमितीकरण के योग्य नहीं है तो सरकार के हिसाब से नियमितीकरण की परिभाषा क्या है? उन्होंने कहा कि संविदा और आउटसोर्सिंग की व्यवस्था कर्मचारियों की कमर तोड़ रही है। कर्मचारी कम वेतन में अपनी जान जोखिम में डालकर स्वास्थ्य सेवाओं और विभिन्न कार्यक्रमों में काम कर रहे हैं।



रोजगार के साथ ही प्रदेश के शिक्षण संस्थानों को भी उपलब्ध होगा आवश्यक मानव संसाधन

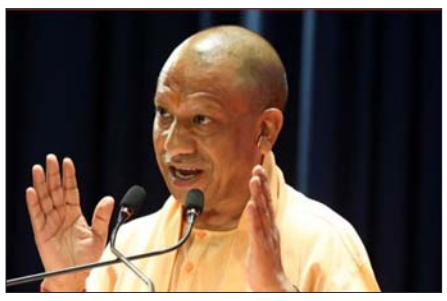
एक लाख नौकरियों के लक्ष्य को मिली रफ्तार

- शिक्षा में 17 हजार से अधिक पदों पर भर्ती
- भर्ती प्रक्रिया में प्राचार्य से लेकर सहायक अध्यापक तक के पद शामिल
- माध्यमिक शिक्षा में 3,504 पद
- बेसिक शिक्षा में 11,508 पदों की बड़ी भर्ती

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार का मिशन रोजगार तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छह माह में एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया तेज की जा रही है। इसी क्रम में शिक्षा क्षेत्र में ही 17,059 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की ओर से वर्ष 2026 में जारी भर्ती विज्ञापनों में उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण पद शामिल हैं। इन भर्तियों के जरिए बड़ी संख्या में युवाओं को सरकारी सेवा में आने का अवसर मिलेगा, साथ ही प्रदेश के शिक्षण संस्थानों को भी आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक के 897 पद तथा प्रवक्ता (पीजीटी) के 2,607 पद शामिल हैं। सहायक अध्यापक पदों के लिए परीक्षा 3 और 4 दिसंबर 2026, जबकि प्रवक्ता पदों के लिए परीक्षा 15 और 16 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित है। शिक्षा क्षेत्र में प्रस्तावित भर्तियों में सबसे बड़ी हिस्सेदारी बेसिक शिक्षा विभाग की है। यहां सहायक अध्यापक प्राथमिक शहरी (अर्बन) के 11,508 पद विज्ञापित किए गए हैं। इन पदों के लिए परीक्षा 3 और 4 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित है।

इसके अतिरिक्त बेसिक शिक्षा विभाग में विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (स्पेशल टीईटी) भी आयोजित की जा रही है।



योगी सरकार के छह माह में एक लाख भर्ती के संकल्प में शिक्षा क्षेत्र की बड़ी हिस्सेदारी



उच्च शिक्षा में 2,047 पदों पर अवसर

आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार के अनुसार, उच्च शिक्षा विभाग में प्राचार्य के 111 पद और सहायक आचार्य (असिस्टेंट प्रोफेसर) के 1,936 पद विज्ञापित किए गए हैं। सहायक आचार्य पदों के लिए परीक्षा 19 और 20 नवंबर 2026 को प्रस्तावित है। इस भर्ती से उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की उपलब्धता बढ़ाने के साथ बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा।

योगी सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिकीकरण और तकनीक पर दिया जोर

योगी सरकार ने 17 हजार करोड़ से बदली यूपी की जेलों की सूरत

पिछले नौ वर्षों में जेल विभाग के बजट में 215 फीसदी का इजाफा

वर्ष 2017-18 में 913 करोड़ से बढ़कर 2026-27 में 2,877 करोड़ हुआ बजट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश की जेल व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और बेहतर सुविधाओं से लैस करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। इस दौरान जेलों के इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिकीकरण और नई तकनीक पर विशेष जोर दिया गया। इसके लिए योगी सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च की। इसमें सबसे अधिक धनराशि जेलों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च की गयी।

उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में जेल विभाग के लिए बजट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2017-18 में जेल विभाग के लिए कुल 913.07 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया था। इसके मुकाबले वित्तीय वर्ष 2026-27 में यह बढ़कर 2,877.58 करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में जेल विभाग के बजट में करीब 215 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2021-22 के बीच जेल विभाग के लिए कुल 5,494.41 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया जबकि वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक यह राशि बढ़कर 11,913.53 करोड़ रुपये हो गई। यह बढ़ोतरी योगी सरकार की ओर से जेलों के विकास और आधुनिकीकरण को दी जा रही प्राथमिकता को दर्शाती है।



जेल विभाग के बजट में 215 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

डीजी, कारागार एवं सुधार सेवाएं पीसी मीना ने बताया कि योगी सरकार ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही जेलों की व्यवस्थाओं को भी समय के अनुरूप बनाने पर जोर दिया है। योगी सरकार के प्रयासों से प्रदेश की जेल व्यवस्था में एक ओर जहां क्षमता विस्तार हो रहा है, वहीं दूसरी ओर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीक के जरिए सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है।

जेलों में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

डीजी ने बताया कि योगी सरकार की ओर से प्रदेश में नई जेलों के निर्माण के साथ ही बंदी क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। अमेठी में 176.12 करोड़, महोबा में 203.42 करोड़, हाथरस में 184.94 करोड़, कुशीनगर में 228.31 करोड़, जौनपुर में 179.79 करोड़, और हापुड़ में 190.08 करोड़ की लागत से जिला कारागार का निर्माण किया जा रहा है।

नई जेलों के निर्माण के साथ ही प्रस्तावित कारागारों के लिए भूमि की खरीद की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। संभल में प्रस्तावित जेल के लिए शासन की ओर से 24.56 करोड़, शामली में 96.20 करोड़, बलिया में 24.12 करोड़, सहारनपुर में 50.87 करोड़, अमरोहा में 32.28 करोड़ और चंदौली में 34.27 करोड़ रुपये भूमि के लिए स्वीकृत किए गये हैं।

बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंची मेयर सुषमा खर्कवाल

45 बीघा सरकारी जमीन पर प्लॉटिंग की जांच के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्यों का जायजा लेने के लिए मेयर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया। मेयर के निरीक्षण के दौरान पार्षद रोशनी रावत ने गोमती नदी के किनारे 45 बीघा नगर निगम की सरकारी जमीन पर भूखंड काट कर बेचने की शिकायत की। मेयर ने साथ में मौजूद नगर आयुक्त गौरव कुमार को नगर निगम की जमीन पर भूखंड काटने की जांच के निर्देश दिए।

महापौर के इस निर्देश से नगर निगम के अफसरों में भी हड़कंप मच गया। इससे पहले मेयर नाव से हयात नगर, सेहठा गांव और गुल्मी खेड़ा पहुंचीं। इससे पहले जोन-3 के लोहरामऊ, फैजुल्लागंज, दाउद नगर और मिल्लत नगर का भी जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। लोगों को भोजन के पैकेट, पीने का पानी और जरूरी दवाएं बांटी गईं। मेयर ने बाढ़ प्रभावित इलाके में लगाए गए हेल्थ कैंप का भी निरीक्षण किया। उन्होंने डॉक्टरों और हेल्थ टीम से दवाओं और इलाज की व्यवस्था की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों को समय पर इलाज और दवाएं मिलनी चाहिए। स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी समस्या पर तुरंत कार्रवाई की जाए।

मेयर ने बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया।



सिम बंद कर रिटायर्ड अधिकारी के 33 लाख उड़ाए

लखनऊ । लखनऊ में औद्योगिक विकास विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी साइबर ठगी के शिकार हो गए। आरोपियों ने उनकी मोबाइल सिम बंद रहने के दौरान बैंक खाते से करीब 33 लाख रुपए निकाल लिए। सिम दोबारा चालू होने के बाद पासबुक अपडेट कराने पर उन्हें ठगी की जानकारी हुई। पीड़ित ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

संदेश : भागवत कथा में शामिल हुए सपा अध्यक्ष, कहा- सत्ता आती-जाती रहती है, प्रेम टूटा तो समाज टूट जाएगा

प्रेम और समानता से ही मजबूत होगा समाज : अखिलेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सपा नेता एवं पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय के पैतृक घर कृष्णापुर, खानपुर रसूलाबाद में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल होकर व्यास पीठ का पूजन किया और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या की पावन धरती पर सभी हरिभक्त मिलकर जय राधेश्याम बोल रहे हैं। यही हमारे समाज, देश और संस्कृति की खूबसूरती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार चुनाव आने वाला है और ऐसे समय में भागवत कथा का अमृतपान करने के लिए एकजुट होना सौभाग्य की बात है। अखिलेश यादव ने कहा कि आज समाज कई तरह के बंधनों और व्यथाओं से घिरा हुआ है। कहीं अहंकार और सत्ता का बंधन है तो कहीं जाति, भेदभाव, छुआछूत और ऊंच-नीच की दीवारें हैं। ऐसे समय में भागवत कथा की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे लिए प्रभु श्रीकृष्ण ही प्रभु श्रीराम हैं और प्रभु श्रीराम ही प्रभु श्रीकृष्ण हैं।







सत्ता आती-जाती रहती है, प्रेम टूटा तो समाज टूट जाएगा

अखिलेश यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सिखाया है कि सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन प्रेम टूट गया तो समाज टूट जाएगा। उन्होंने कहा कि आज के समय में प्रेम और समानता के महाकाव्य को संविधान कहते हैं, इसलिए संविधान की रक्षा करना जरूरी है। उन्होंने सुदामा और श्रीकृष्ण के संबंध का उदाहरण देते हुए कहा कि गरीब मित्र को भी बराबर का सम्मान देना सामाजिक न्याय की मिसाल है। उनके मुताबिक भागवत कथा का कृष्ण राज्य प्रेम, दया, अपनापन और बंधुत्व पर आधारित था, जहां अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को भी समान सम्मान मिलता था।

संतों ने अखिलेश को पहनाई माला, गदा भेंटकर दिया आशीर्वाद

भागवत कथा में जगतगुरु डॉ. राघवाचार्य जी महाराज ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया। इस दौरान सांसद अवधेश प्रसाद समेत बड़ी संख्या में संत-महंत और श्रद्धालु मौजूद रहे। कथा के समापन अवसर पर संतों और महंतों ने अखिलेश यादव को माला पहनाकर गदा भेंट की और उन्हें 'विजयी भव' का आशीर्वाद दिया।

हाथों में हथकड़ी, चेहरे पर ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पैरों से रौंदकर जलाया पुतला

कैदी की ड्रेस में सपाइयों का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सैकड़ों सपा कार्यकर्ता जिला पार्टी कार्यालय से कलेक्ट्रेट की ओर पैदल मार्च करते हुए पहुंचे। प्रदर्शन में कुछ कार्यकर्ता चेहरे पर ज्ञानेश कुमार का स्टिकर लगाकर पहुंचे। उन्होंने कैदी की पोशाक पहन रखी थी और हाथों में हथकड़ी थी। कई कार्यकर्ता हाथों में डफली लेकर नारेबाजी करते नजर आए।

ज्ञानेश कुमार के पुतले को लेकर सपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच खींचतान भी हुई। कार्यकर्ताओं ने पुतले को पैरों से रौंदकर विरोध जताया। बाद में कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंक दिया।



प्रदर्शन के बाद सपा कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। समाजवादी पार्टी ने 2 से 8 अक्टूबर तक 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह, वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान चलाया है। इसके तहत जिला स्तर पर मार्च और प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

पार्टी का आरोप है कि मतदाता सूची में बदलाव और एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। सपा मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे के साथ चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रही है।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर बैठकर प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान ज्ञानेश कुमार के पुतले को लेकर सपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच खींचतान हुई।

वकीलों और सपा कार्यकर्ताओं ने फूंका ज्ञानेश कुमार का पुतला

जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर वकीलों और सपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंककर विरोध जताया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई। सपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले को जलाकर विरोध जताया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की।

हार्ट अटैक बताकर दफनाया ■ मेरठ में 10 दिन बाद कब्र से निकाला शव

ब्यूटीशियन पत्नी ने प्रेमी संग पति को मारा

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में ब्यूटीशियन पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी। इसके बाद परिवार को फोन कर उसकी मौत हार्ट अटैक से होने की बात बताई। परिवार ने सामान्य मौत मानकर शव दफना दिया था। लेकिन 5 अक्टूबर को मृतक का मोबाइल मिलने के बाद परिजन को पत्नी पर शक हुआ। परिजनों ने सख्ती से पूछताछ की तो पत्नी ने हत्या की बात कबूल कर ली। 28 सितंबर का यह मामला लोहिया नगर की जाकिर नगर कॉलोनी का है। मृतक तालिब राजमिस्त्री का काम करता था जबकि पत्नी ब्यूटी पार्लर चलाती है।



मृतक की मौत के 10 दिन बाद गुरुवार सुबह करीब 11:30 बजे मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को कब्र से बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस के अनुसार, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मुजफ्फरनगर के रसूलपुर-दभेड़ी गांव निवासी जुल्फिकार के बेटे तालिब (30) की शादी 4 साल पहले मेरठ के ब्रह्मपुरी इलाके में अंजुम पैलेस निवासी मोमिन की बेटी इल्मा (27) से हुई थी। दोनों की 3 साल की बेटी है।

28 सितंबर को हुई मौत

28 सितंबर को तालिब काम से घर लौटा। शाम करीब 7 बजे इल्मा ने तालिब के मोबाइल से परिवार के लोगों को फोन कर बताया कि हार्ट अटैक से उसकी मौत हो गई है। जानकारी मिलते ही फतेहुल्लापुर में रहने वाला तालिब का चचेरा भाई अकरम सबसे पहले घर पहुंचा। इल्मा ने अकरम को बताया कि तालिब काम से लौटने के बाद अचानक बीमार पड़ गया। वह बिस्तर पर लेटा और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। तालिब के परिवार के लोग उसी रात उसका शव मुजफ्फरनगर स्थित पैतृक गांव रसूलपुर-दभेड़ी ले गए। इल्मा भी परिवार के साथ गांव पहुंची। 29 सितंबर को तालिब के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। इस दौरान इल्मा पति की मौत पर रोती रही। 30 सितंबर को वह ससुराल से वापस मेरठ लौट आई।



तालिब का मोबाइल मिलने के बाद गहराया शक

तालिब की मौत के बाद परिवार के लोगों को हार्ट अटैक से मौत की बात पूरी तरह सही नहीं लग रही थी। इसी वजह से 1 अक्टूबर को तालिब के मामा का बेटा रईस मेरठ स्थित इल्मा के घर पहुंचा। उसने इल्मा से तालिब का मोबाइल मांगा, लेकिन उसने मोबाइल के बारे में कोई जानकारी होने से इनकार कर दिया। इसके बाद रईस ने खुद कमरे में तालिब का मोबाइल तलाशना शुरू कर दिया। तलाशी के दौरान उसे तालिब के एक कपड़े के नीचे मोबाइल मिल गया। रईस ने मोबाइल ऑन कर उसमें मौजूद मैसेज और चैट देखी। मोबाइल में तालिब और अमन के बीच बातचीत मिली। चैट में तालिब ने अमन को अपनी पत्नी से बात करने से मना किया था। इससे रईस का शक इल्मा पर गहरा गया। इसके बाद उसने इल्मा की मां के सामने ही उससे पूछताछ शुरू कर दी।

प्रयागराज में ज्ञानेश कुमार की प्रतीकात्मक अर्थी पर रोए सपाई

बहराइच में गधा लेकर पहुंचे कांग्रेसी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । यूपी में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सपा-कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर हैं। प्रयागराज में सपाइयों ने CEC की प्रतीकात्मक अर्थी लेकर प्रदर्शन किया। उससे लिपटकर खूब रोए।

आगरा में सपाइयों की पुलिस से नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। सपा सांसद रामजीलाल सुमन को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। उन्होंने कहा- यह चुनाव आयोग नहीं है, मोदी आयोग है। प्रदर्शन को देखते हुए ज्ञानेश कुमार के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

बहराइच में कांग्रेस कार्यकर्ता गधा लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे। गोंडा में कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका तो वे सड़क पर लेट गए। पुलिस उन्हें टांगकर ले गई।

लखनऊ में कैदी की ड्रेस में सपा



कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उनके हाथों में हथकड़ी थी। चेहरे पर मुख्य चुनाव आयुक्त का मुखौटा लगाया हुआ था। कासगंज में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष मनोज पांडे के नेतृत्व में दोपहर करीब 3 बजे कार्यकर्ता नदरई गेट स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय के पास गांधी प्रतिमा पर जुटे। यहां से नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च निकाला गया।

मार्च बाराद्वारी और सोरों गेट होते हुए अंबेडकर पार्क पहुंचा।

फास्ट न्यूज

कानपुर-जू में 15 दिन में 4 काले हिरणों की मौत

कानपुर। कानपुर चिड़ियाघर में काले हिरणों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। पिछले 15 दिन में 4 हिरणों की मौत हो चुकी है। लगातार मौतों के बाद भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI), इज्जतनगर-बरेली के वन्यजीव विशेषज्ञों की टीम मंगलवार को कानपुर जू पहुंची। टीम ने काले हिरणों के बाड़े का निरीक्षण किया और एक मृत हिरण का पोस्टमार्टम किया।

कानपुर में मजार की दीवार गिरी, मलबे में मिला शिवलिंग

कानपुर। कानपुर में गुरुवार सुबह 8 बजे पुरानी दीवार ढह गई। मलबा हटाने के दौरान पत्थर का शिवलिंग और माता गौरा जैसी प्रतिमा के कुछ अवशेष मिले। जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अवशेषों को मलबे से निकालकर अलग रख दिया।

ग्रामीणों ने अवशेषों पर पुष्प चढ़ाकर पूजा-अर्चना शुरू कर दी। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीण इस जगह को मजार के नाम से जानते थे। दीवार के पास एक पुराना चबूतरा भी बना हुआ है। घटना सजेती थाना क्षेत्र के दहिलर गांव की है।

आगरा विश्वविद्यालय में एमएससी छात्रा की रैगिंग

आगरा । डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में एमएससी बायोटेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष की छात्रा ने सीनियर छात्राओं पर रैगिंग का आरोप लगाया है। छात्रा का कहना है कि शिक्षकों की मौजूदगी में परिचय के नाम पर उसके साथ अभद्रता की गई। घटना से आहत छात्रा ने यूजीसी की एंटी रैगिंग सेल में ऑनलाइन शिकायत की।

शादी तय हुई तो गर्लफ्रेंड को मार डाला

प्रेमी ने घर में घुसकर कनपटी पर मारी गोली

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में शादी तय होने से नाराज बॉयफ्रेंड ने 19 साल की गर्लफ्रेंड की गोली मारकर हत्या कर दी। बॉयफ्रेंड दीवार फांदकर घर में घुसा। फिर लड़की की कनपटी से तमंचा सटाकर गोली मार दी। इसके बाद बॉयफ्रेंड अपने घर पहुंचा और खुद को भी गोली मारने की कोशिश की। लेकिन, घरवालों ने उसे रोक लिया। इसके बाद वह घर से भाग गया। मृतक की पहचान कक्षा- 9 में पढ़ने वाली चंचल रायकवार (19) के रूप में हुई। सूचना पर एसएसपी विकास कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना बुधवार दोपहर करीब साढ़े 3 बजे सीपरी बाजार थाना क्षेत्र की है। बॉयफ्रेंड की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी ने 4 टीमें लगाई थीं। रात करीब 11 बजे पुलिस की एक टीम ने



आरोपी को सीपरी बाजार इलाके में घेर लिया। इस पर उसने पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में युवक के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। लहरगिर्द खोड़न गांव में रहने वाले सोनू रायकवार की बेटी चंचल रायकवार सीपरी बाजार स्थित आर्य कन्या स्कूल में पढ़ती थी। चंचल का गांव के ही कमल रायकवार से 4 साल से अफेयर चल रहा था। चंचल के पिता सोनू और मां सपना को जब यह बात पता चली, तो उन्होंने बेटी को समझाया।

रामपुर में पत्नी-बच्चे को घर छोड़कर निकला, 10 दिन पहले ही जेल से छूटा था

शराब लेने जा रहे गैंगस्टर की 3 गोली मारकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर । रामपुर में गुरुवार सुबह 11 बजे गैंगस्टर की 3 गोली मारकर हत्या कर दी गई। तीन बदमाश बाइक से आए और गोली मारकर फरार हो गए। पुलिस ने युवक को तुरंत हॉस्पिटल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मरने वाला युवक 10 दिन पहले ही जेल से छूटकर आया था।

मैं घर पहुंच गई थी। इसी दौरान बाइक से तीन हमलावर आए और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। तीन गोली संदीप को लगीं और वो वहीं पर गिर गया। एक गोली पीठ में और दो गोलियां सिर के ऊपरी हिस्से में लगी हैं। गोली लगते ही संदीप जमीन पर गिर पड़ा। गोलियों की आवाज सुनते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। फायरिंग करते हुए बदमाश फरार हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस CO हर्षिता सिंह, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह और ईसानगर चौकी प्रभारी विष्णु कुमार शर्मा पुलिस बल के साथ पहुंचे।





■ पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सील करके जांच शुरू की।

राइस मिल में करता था काम

दिबदिबा गांव के सांगा फार्म का रहने वाला संदीप चौहान उर्फ सनी (30) एक राइस मिल में वारदाना काटने और सिलने का काम करता था। सनी के परिवार में पत्नी शिवानी, छह माह का बेटा आदित्य और तीन साल की बेटी आराध्या हैं। संदीप के माता-पिता समेत परिवार के बाकी लोग बरेली में मोहम्मदगंज गांव में रहते हैं। संदीप की पत्नी शिवानी ने बताया कि उनका छह माह का बेटा आदित्य बीमार था। आज सुबह वह पति के साथ बेटे की दवा लेने गई थी। शराब की दुकान के पास संदीप के दोस्त ब्रजेश मिल गए। संदीप उनसे बात करने लगे और मुझे बेटे के साथ घर भेज दिया।

घटना से कुछ देर पहले गैंगस्टर की पत्नी और 6 महीने का बच्चा भी साथ था। उन्हें घर छोड़ने के बाद वो बाइक से शराब के ठेके पर जा रहा था। एसपी ने मौके पर जांच की और खुलासे के लिए टीम लगाई है। युवक पर 16 से ज्यादा मुकदमें दर्ज हैं। मामला बिलासपुर थाना क्षेत्र का है।

कारोबारी पति बचाने में झुलसा, 2 सिलेंडर फटे, सीढ़ी लगाकर घर में घुसे दमकलकर्मी

बागपत में 2 मंजिला मकान में आग, मां-बेटी की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बागपत । यूपी के बागपत में गुरुवार को 2 मंजिला मकान में आग लग गई। हादसे में मां-बेटी की मौत हो गई। दोनों को बचाने की कोशिश में कारोबारी पति झुलस गया।

बताया जा रहा है कि मकान के ग्राउंड फ्लोर पर किराने की दुकान है। शॉर्ट सर्किट के चलते यहीं से आग भड़की। अंदर रखे 2 गैस सिलेंडर इसकी चपेट में आ गए।

देखते ही देखते दोनों सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। इसके बाद आग और धुआं तेजी से पूरी बिल्डिंग में फैल गया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब 30-40 मिनट में आग बुझाई।

सीढ़ी लगाकर दमकलकर्मी घर में



चीफ फायर ऑफिसर अमरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया- दुकान में आग की सूचना पर 2 गाड़ियां खेकड़ा, 2 बागपत और एक बड़ौत से भेजी गई। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट की बात सामने आई है। दुकान में रखे 2 सिलेंडरों में ब्लास्ट होने की वजह से आग पूरे घर में फैल गई।

घुसे। कारोबारी अंकुर जैन (40), पत्नी स्वाति (37) और बेटी अनन्या (7) को पुलिस ने एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां स्वाति और अनन्या ने दम तोड़ दिया।

अंकुर को इलाज के लिए दिल्ली रेफर किया गया है। दुकान का कर्मचारी भी घायल बताया जा रहा है। हादसा जिला मुख्यालय से 17 किमी दूर खेकड़ा कस्बे में मुबारिकपुर रोड पर हुआ।

खेकड़ा कस्बे में मुबारिकपुर रोड पर विनय जैन (65) का 900 स्क्वायर फीट का मकान है। परिवार में पत्नी पुष्पा (60), बेटा अंकुर, बहू स्वाति, पोता श्रेय (13) और पोती अनन्या हैं। सभी पहली मंजिल पर रहते हैं। ग्राउंड फ्लोर पर परचून की दुकान और गोदाम है, जहां जाहिद नाम का युवक काम करता है। सुबह 7 बजे जाहिद ने दुकान खोली और साफ-सफाई करने लगा। इस दौरान विनय और पुष्पा मंदिर के लिए रवाना हो गए। श्रेय स्कूल चला गया। 7.45 बजे अचानक दुकान में आग लग गई। थोड़ी देर बाद दुकान में रखे 2 सिलेंडर फट गए। दुकान का शटर उखड़ कर बाहर आ गया। आग तेजी से पूरे घर में फैल गई।



डीएम ने मामले के जांच के आदेश दिए

बागपत डीएम दिव्यांशु कुमार ने कहा- बिजली विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर इलाके की बिजली काट दी गई है। इलाके को सुरक्षित कर लिया गया है। राहत कार्य चल रहा है। पूरे घटनाक्रम की जांच के आदेश दिए गए हैं।

महिला की अंतिम यात्रा में साथ चले दो पालतू हाथी

संभल में 12 गांव से डेढ़ हजार लोग पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल । संभल में बुधवार शाम 74 साल की एक महिला की अनोखी अंतिम यात्रा निकली। महिला के अंतिम समय में भी उनके दो पालतू हाथियों ने साथ नहीं छोड़ा। मालकिन की अर्थी के पीछे गाजे-बाजे के साथ परमा और मोहन (हाथी) भी चल पड़े।

महिला की अंतिम यात्रा में 12 गांवों से करीब डेढ़ हजार लोग शामिल होने पहुंचे। इस दौरान पूरे 15 किमी तक श्रीकृष्ण- शिवजी की झांकी भी निकाली गई। महिला की अंतिम यात्रा रजपुरा के बराला कस्बे से होते हुए राजघाट तक पहुंची।

जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर रजपुरा क्षेत्र के ब्यौरा गांव की रहने वाली रामबेटी देवी (74) की बुधवार तड़के 4 बजे मौत हो गई। उन्हें 8 साल से शुगर था। 3 दिन



पहले तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अलीगढ़ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रामबेटी देवी की मौत की खबर जैसे ही घर पहुंचीं, परिवार में मातम छा गया। पड़ोस और आसपास के गांव के लोगों की घर के बाहर भीड़ लगनी शुरू हो गई। दोनों बेटों मनवीर और चरन सिंह ने मां को सम्मान के साथ अंतिम विदाई देने का फैसला लिया। दोनों बेटों ने कहा- पालतू हाथी परमा और मोहन से मां का लगाव बहुत था। वो परिवार के सदस्य की तरह हैं, इसलिए दोनों हाथी भी अंतिम यात्रा में साथ चलेंगे।

पृष्ठ 01 का शेष...

अब से जीएसटी ...

काउंसिल ने ऑनलाइन सामान बेचने वाले छोटे दुकानदारों के लिए भी नियम आसान बनाए हैं, हालांकि मौजूदा टैक्स स्लैब या रेट स्ट्रक्चर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) क्लेम को लेकर ईमानदारी से व्यापार करने वाले खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है। काउंसिल ने अधिकारियों की एक कमेटी गठित करने का फैसला किया है। यह कमेटी इस बात का अध्ययन करेगी कि अगर किसी खरीदार के पास सही इनवॉइस (बिल) है, उसने सामान प्राप्त कर लिया है और सप्लायर को पूरा भुगतान भी कर दिया है, तो उसे धोखाधड़ी करने वाले सप्लायर की वजह से परेशान न होना पड़े। यह कमेटी 3 महीने में अपनी रिपोर्ट देगी, जिसे अगली बैठक में रखा जाएगा। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, जिन मामलों में कोई विशेष जुर्माना तय नहीं था, वहां लगने वाली जनरल पेनल्टी को 25,000 से घटाकर 10,000 कर दिया गया है। इसके अलावा, वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि टैक्स रेट का स्ट्रक्चर अब स्थिर हो चुका है, इसलिए काउंसिल अब इस बात पर ध्यान दे रही है कि रोजाना के कामकाज में टैक्स सिस्टम कैसे काम करता है। अब जीएसटी दरों में कोई भी बदलाव साल में सिर्फ एक बार ही किया जाएगा।

5 करोड़ से कम की ...

यानी 5 करोड़ तक के मामलों को अब आपराधिक कार्रवाई के बजाय पेनल्टी और सिविल प्रक्रिया के तहत ही निपटाया जाएगा।

अनिल कुमार बने ...

आदेश के अनुसार वह लिपिक संवर्ग में वरिष्ठतम कर्मचारी हैं।

समिति की 6 अक्टूबर 2026 की आख्या का अवलोकन करने के बाद जनपद न्यायाधीश ने संस्तुति को मंजूरी प्रदान कर दी। इसके बाद श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव की प्रशासनिक अधिकारी के पद से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नति की गई।

पदोन्नति के बाद उनका पद मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, जनपद न्यायालय अम्बेडकरनगर निर्धारित किया गया है। इस पद का पुनरीक्षित वेतनमान 56,100 से 1,77,500 (लेवल-10) है। प्रबंध आदेश के तहत उन्हें मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तत्काल प्रभाव से नियुक्त कर दिया गया है। आदेश की प्रतिलिपि आहरण एवं वितरण अधिकारी, वेतन लिपिक, संबंधित कर्मचारी और गार्ड फाइल को अनुपालनार्थ भेजी गई है।

खिलाड़ियों को खाकी...

यानी पुलिस में खिलाड़ियों की भर्ती का एक और दौर जारी है. आज बांटे जा रहे नियुक्ति पत्र इसी कड़ी का हिस्सा हैं.

सरकार वोट देने का ...

राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने की खबर है। ऐसी भी खबर है कि विपक्ष शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी प्रदर्शन कर सकता है।

10 अक्टूबर को CJP का प्रदर्शनः कॉकरोच जनता पार्टी ने ऐलान किया है कि वह 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने 7 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस को प्रदर्शन की सूचना दी थी, लेकिन पुलिस ने इसकी अनुमति नहीं दी है। इसके बावजूद संगठन ने प्रदर्शन करने की बात कही है।

दिल्ली सरकार ने आदेश जारी किया है कि मौजूदा हालात को देखते हुए दिल्ली में शराब की दुकानें 9-10 अक्टूबर को बंद रहेंगी। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को राजघाट के अंदर जाने की परमिशन मिल गई। वे महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए अंदर चले गए हैं।

दिल्ली BJP महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने मध्य दिल्ली के डीडीयू मार्ग स्थित कांग्रेस मुख्यालय के पास प्रदर्शन किया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर महिला पुलिसकर्मियों के साथ "दुर्व्यवहार" करने का आरोप लगाया।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को ITO चौराहे से कांग्रेस मुख्यालय की ओर बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी बुधवार को प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगा रहे थे।

नाना पाटेकर को ...

वो देशविरोधियों पर निरंतर अंकुश के समर्थक थे।

पीएम मोदी ने अपने बयान में नाना पाटेकर की 6 फिल्मों तिरंगा, परिंदा, प्रहार, क्रांतिवीर, खामोशी और अंकुश का जिक्र किया। इनमें 'परिंदा' और 'क्रांतिवीर' के लिए नाना पाटेकर को नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला था।

बॉलीवुड, राजनीति, खेल और साहित्य जगत की कई हस्तियों ने भी पाटेकर को श्रद्धांजलि दी है। अक्षय कुमार, विराट कोहली, रवीना टंडन, रजनीकांत, परेश रावल, मनोज बाजपेयी, कंगना रनौत और सुनील शेट्टी समेत कई सितारों ने उनके निधन पर दुख जताया है।

नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि दी। उन्होने लिखा "प्रसिद्ध अभिनेता नाना पाटेकर जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। अपने अभिनय और किरदारों से उन्होंने भारतीय सिनेमा पर और दर्शकों के दिलों में एक अमिट छाप छोड़ी है। इस पीड़ा के समय में मेरी गहरी संवेदनाएं उनके शोकाकुल परिजनों, मित्रों और समर्थकों के साथ हैं।"

अक्षय कुमार ने नाना के साथ (वेलकम) और हाल ही में (हाउसफुल 5) में काम किया था। उन्होंने कहा कि नाना उन दुर्लभ कलाकारों में थे, जिन्हें दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत नहीं थी। अक्षय ने उनकी आवाज, इंटेंसिटी और हर परफॉर्मेंस में ईमानदारी को याद किया। उन्होंने लिखा कि नाना की कमी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

विराट कोहली ने नाना पाटेकर के निधन पर दुख जताया। उन्होंने लिखा, "भारतीय सिनेमा के एक सच्चे दिग्गज। उनका काम और विरासत आने वाली पीढ़ियों तक जिंदा रहेगी। नाना पाटेकर जी, आपकी आत्मा को शांति मिले। ॐ शांति।" तमिल सुपरस्टार रजनीकांत ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें इस बात पर भरोसा नहीं हो रहा कि उनके प्यारे दोस्त नानाजी अब हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने परिवार और करीबियों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। वहीं अभिनेता परेश रावल ने उन्हें याद करते हुए लिखा, भाऊ, नाना साहेब। बेहद ईमानदार और गंभीर इंसान। आपके लिए हमेशा प्यार और सम्मान रहेगा। ओम शांति।

बेंगलुरु में सीजेपी...

जिंदा लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। यह लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का नारा देती है, जबकि उनका मकसद 'वन नेशन, वन पार्टी' बनाने का है।

दीपके ने इसकी तुलना हिटलर से की। उन्होंने कहा- 2024 में BJP और कांग्रेस के बीच वोट शेयर का अंतर सिर्फ 2% था। भाजपा 400 पार का दावा कर रही थी। इसलिए चुनाव के रिजल्ट से वह हैरान हो गई। दीपके ने आगे कहा- नेहरू भारत की रीढ़ थे और उन्होंने उन लोगों को भी वोट देने का अधिकार दिया, जिन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। प्रकाश राज ने कहा कि पहले लोग तय करते थे कि सरकार कौन बनाएगा, लेकिन SIR के जरिए सरकार तय कर रही है कि कौन वोट देगा। नाम हटाना महज आंकड़ा नहीं है और इसमें एक पैटर्न दिखाई देता है, जिसमें अल्पसंख्यक, आदिवासी और मुस्लिम मतदाता शामिल हैं।

सीएपीएफ अफसरों ...

नए कानून के तहत इंस्पेक्टर जनरल रैंक के 50% पद IPS से डेपुटेशन के जरिए भरे जाएंगे। एडिशनल डायरेक्टर जनरल स्तर के कम से कम 67% पद डेपुटेशन से भरने का प्रावधान है। स्पेशल डायरेक्टर जनरल और डायरेक्टर जनरल रैंक के पद केवल डेपुटेशन से भरे जाएंगे।

यह कानून CAPF में IPS अफसरों के डेपुटेशन पर सुप्रीम कोर्ट के मई 2025 के फैसले से जुड़ा है। पिछले साल अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2025 के फैसले का रिव्यू करने की मांग करने वाली केंद्र की याचिका खारिज कर दी थी।

हसन नवाज ने कहा- हार का दर्द अब भी है, हमने छोटी गलतियों की कीमत चुकाई

भारत से एशियाड का फाइनल हारने पर बोला पाकिस्तानी बैटर

मैच

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तानी बैटर हसन नवाज ने कहा कि भारत के खिलाफ एशियन गेम्स फाइनल हारने का दर्द अब भी उन्हें परेशान करता है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी गलतियों की वजह से पाकिस्तान को हार मिली।

2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ T20I शतक लगाकर इंटरनेशनल क्रिकेट में आने वाले नवाज ने अपने खेल पर काम करने का तरीका भी बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जमीनी स्तर का क्रिकेट खेलकर अपने खेल को बेहतर कर रहे हैं।

नवाज ने कहा, 'इन मैचों में मिलने वाले गेंदबाज और पिच आपको मुश्किल हालात में बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद करते हैं।इंटरनेशनल क्रिकेट में आपको बेहतर हालात में बैटिंग करने का मौका मिलता है, तो इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ता है।'



भारत ने पिछले हफ्ते जापान में पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर गोल्ड जीता था। इस मैच में नवाज ने 96 रन बनाए थे।

नवाज ने कहा कि वे बहुत आगे के बारे में नहीं सोचते। अब उनका ध्यान घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज में श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखने पर है। उन्होंने कहा, 'आपके पास एक योजना होती है और आपको उसी पर कायम रहना होता है। उतार-चढ़ाव हमेशा आते रहते हैं।'



नवाज बोले- अपनी से संतुष्ट हूं, लेकिन हारना निराशाजनक रहा

नवाज ने बुधवार को रावलपिंडी में मीडिया से बातचीत में कहा कि वे अपनी पारी से संतुष्ट हैं। वे अपने प्लांस के हिसाब से बैटिंग कर रहे थे।

हसन नवाज ने कहा, 'मुझे लगता है कि फाइनल अब खत्म हो चुका है और क्रिकेट तथा मैच आगे भी जारी रहेंगे। हमसे भी गलतियां होती रहेंगी। लेकिन, उन्हें हराने के लिए हमें अपनी गलतियों से सीखना होगा और बेहतर बनना होगा।'

श्रीलंका के धनंजय डी सिल्वा ने टेस्ट कप्तानी छोड़ी

कहा- अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने का समय

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने तत्काल प्रभाव से पद छोड़ दिया। उन्होंने गुरुवार को कहा कि अब जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपने का समय है। 35 साल के धनंजय ने चयन समिति को पत्र भेजकर अपने फैसले की जानकारी दी। वे खिलाड़ी के तौर पर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

धनंजय ने जनवरी 2024 में दिमुथ करुणारत्ने की जगह टेस्ट कप्तानी संभाली थी। उन्होंने 69 टेस्ट में 4,400 से ज्यादा रन बनाए हैं। इसमें 13 शतक शामिल हैं।

धनंजय डी सिल्वा ने श्रीलंका की चयन समिति को लिखे पत्र में कहा, 'मेरी ईमानदार राय है कि जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंप देनी चाहिए।'

धनंजय डी सिल्वा ने कप्तानी संभालने के बाद श्रीलंका को 18 टेस्ट मैचों में नेतृत्व दिया। श्रीलंका ने इनमें से 7 मैच जीते। कप्तान के तौर पर धनंजय ने 36.45 की औसत से 1,130 रन बनाए। उन्होंने 9 विकेट भी लिए।



पत्र में लिखा- मेरी राय, अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपे

हनुमा विहारी ने सैमसन की फॉर्म पर सवाल उठाए

कहा- कॉम्प्टीशन के दबाव में असुरक्षित महसूस कर रहे

नई दिल्ली। भारत के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर हनुमा विहारी ने ओपनर संजू सैमसन के फॉर्म की आलोचना की है। उन्होंने सैमसन को मिल रहे लंबे मौके पर भी सवाल उठाया। विहारी ने कहा- 'सैमसन टीम में कॉम्प्टीशन के दबाव के कारण असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।'

सैमसन मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी-20 मैच में 11 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने एशियन गेम्स में 9, 7 और 2 रन बनाए थे।

पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ लगाए 2 फिफ्टी को छोड़ दें, तो 2026 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद उनकी टी-20 इंटरनेशनल फॉर्म अच्छी नहीं रही है।

खिलाड़ी हनुमा विहारी ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा- 'सैमसन की एक और नाकामी सबसे बड़ा सवाल है। उन्हें कितने लंबे समय तक मौका दिया जा सकता है? मैं उनका बड़ा प्रशंसक हूं और चाहता हूं कि वे खेलें। लेकिन मुझे लगता है कि वह असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।'



हनुमा ने कहा- 'मैंने पहले भी कहा है कि जब सैमसन पर कॉम्प्टीशन का दबाव होता है, तो वे प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए, अगर आपको याद हो, वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड सीरीज में ईशान की वापसी हुई थी, तब सैमसन प्रदर्शन नहीं कर सके थे। अब वैभव उनके पीछे हैं। उन्हें उस दबाव का एहसास हो रहा होगा।"

इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने 43 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए। भारत ने पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया।

पंजाब किंग्स के 2 कोच ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। IPL फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स के फील्डिंग कोच ब्रैड हैडिन और तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने टीम छोड़ दी है। दोनों ने हाल ही में फ्रेंचाइजी को इसकी जानकारी दी। हैडिन और होप्स के बिग बैश लीग (BBL) से जुड़ सकते हैं।

अब IPL 2027 से पहले टीम को 3 कोच की जरूरत है। क्योंकि, साईराज बहुतुले ने पहले ही टीम छोड़ दी है। वे टीम इंडिया के स्पिन बॉलिंग कोच बने हैं। नए कोचों को मिड-दिसंबर में होने वाली नीलामी से पहले चुना जा सकता है।

पंजाब की टीम पिछले IPL में 5वें स्थान पर रही थी। उसने लखनऊ के खिलाफ अपना आखिरी मैच जीता। लेकिन, यह जीत प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं थी। क्रिकबज के अनुसार पंजाब किंग्स मैनेजमेंट नए कोचों की तलाश शुरू कर चुका है। नए स्टाफ पर फैसला रिकी पोंटिंग करेंगे। मैनेजमेंट कुछ नाम सुझा सकता है।

उम्मीदवारों से बातचीत और इंटरव्यू पोंटिंग के उनसे बात करने के बाद होंगे।

भारत ने जीते 85 पदक, 21 गोल्ड ■ 5 इवेंट में पहली बार गोल्ड

15 अक्टूबर को प्रधानमंत्री एशियन गेम्स के मेडलिस्ट से मिलेंगे



नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अक्टूबर को एशियन गेम्स 2026 के भारतीय पदक विजेताओं से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात PM आवास में होगी। यह जानकारी IOA के सूत्रों ने दी। आइची-नागोया में हुए एशियाई खेलों में भारत ने कुल 85 पदक जीते। इनमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। PM मोदी पहले भी कई मौकों पर भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात कर चुके हैं। पिछली बार वे 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के मेडलिस्ट से मिले थे।

5 खिलाड़ियों ने मेडल की हैट्रिक लगाई, जबकि 23 खिलाड़ियों ने 2-2 मेडल जीते। भारत को सबसे ज्यादा डबल मेडल एथलेटिक्स में मिले। आर्चरी और शूटिंग के 5-5 खिलाड़ी ने दोहरे पदक जीते। स्क्वैश के चार और गोल्फ की प्रणवी उर्स को 2 मेडल मिले।



तीरंदाजी-बॉक्सिंग में 8 गोल्ड क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी की दोनों टीमें चैंपियन

भारत ने तीरंदाजी, बॉक्सिंग, शूटिंग, हॉकी, क्रिकेट, कुश्ती, कबड्डी, एथलेटिक्स और गोल्फ समेत कई खेलों में पदक जीते।

भारतीय तीरंदाजों ने 5 गोल्ड सहित 9 मेडल जीते। वहीं, भारतीय मुक्केबाजों ने 3 गोल्ड और 3 ब्रॉन्ज समेत 6 पदक जीते। क्रिकेट में भारतीय महिला और पुरुष दोनों टीमों ने गोल्ड जीता। हॉकी और कबड्डी में भी भारत की दोनों टीमें चैंपियन बनीं।

मनोरंजन



4 दिन पहले कहा था- नहीं जानता, कल रहूं या नहीं, गोवा में कार्डियक अरेस्ट से निधन

नहीं रहे नाना पाटेकर

मुंबई। नाना पाटेकर का असली नाम विश्वनाथ पाटेकर था। बचपन में उनकी छोटी बहन उन्हें प्यार से 'नाना' कहकर बुलाती थी, जिसके बाद यही उनकी पहचान बन गया।

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक CPR दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। अंतिम संस्कार पुणे के फॉर्महाउस में होगा।

मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। अब शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, "हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।" डॉ. शेखर ने बताया कि रात करीब 2:30 बजे नाना ने एक दोस्त को मैसेज कर तबीयत ठीक नहीं लगने की बात कही थी। दोस्त ने उस समय मैसेज नहीं देखा। बाद में फोन करने पर वह करीब 4 बजे नाना के घर पहुंचा। उस वक्त नाना को काफी पसीना आ रहा था। उनकी हालत बिगड़ रही थी। कुछ देर बाद वह बेहोश होने लगे। इसके बाद केयरटेकर को अस्पताल भेजा गया और एंबुलेंस बुलाई गई। इमरजेंसी टीम घर पहुंची तो नाना पूरी तरह नॉन-रिएक्टिव थे। टीम ने तुरंत कार्डियक मसाज शुरू की। उन्हें सुबह करीब 4:20 से 4:30 बजे के बीच मणिपाल अस्पताल लाया गया।

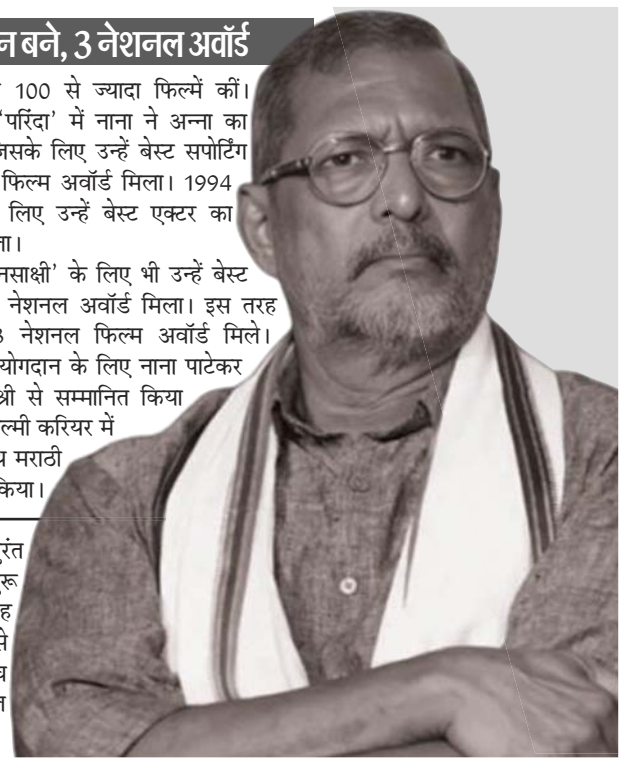


नाना के उदय शेट्टी के किरदार के डायलॉग्स पर कई मीम्स बने। जिसमें सबसे लोकप्रिय सीन वह था, जहां वे खुद को शांत करने के लिए कहते हैं—कंट्रोल उदय... कंट्रोल!

'परिंदा' में विलेन बने, 3 नेशनल अवॉर्ड

नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्में कीं। 1989 की फिल्म 'परिंदा' में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की 'क्रांतिवीर' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला।

1996 की 'अग्निसाक्षी' के लिए भी उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इस तरह उन्हें करियर में 3 नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिले। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए नाना पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। अपने लंबे फिल्मी करियर में उन्होंने हिंदी के साथ मराठी फिल्मों में भी काम किया।



'रामायण' फिल्म के मेकर पर इनकम टैक्स रेड की खबर

नमित मल्होत्रा की कंपनी प्राइम फोकस के मुंबई दफ्तरों में जांच

नई दिल्ली। फिल्म 'रामायण' के निर्माता नमित मल्होत्रा की कंपनी 'प्राइम फोकस लिमिटेड' के मुंबई स्थित दफ्तरों पर छापेमारी की खबर है। CNBC-TV18 की रिपोर्ट के मुताबिक आयकर विभाग ने यह कार्रवाई विदेशी लेन-देन (फॉरेन रेमिटेंस) में हुई गड़बड़ियों के सिलसिले में की है।

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही बड़ी बजट की फिल्म रामायण की रिलीज से कुछ हफ्ते पहले यह कार्रवाई सामने आई है।

आयकर विभाग की यह सर्च कार्रवाई विदेशों में पैसे भेजने से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं को लेकर की गई है। हालांकि, किस तरह के लेन-देन की जांच की जा रही है और इस कार्रवाई का दायरा कितना बड़ा है, इसे लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी या खुलासा नहीं किया गया है।

7 अक्टूबर की सुबह जैसे ही इस रेड की खबर फैली, शेयर बाजार में प्राइम फोकस के शेयरों में तुरंत 8 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

आयकर विभाग की यह कार्रवाई मुंबई स्थित प्राइम फोकस स्टूडियोज में 'रामायण' के सेट के पास हुई आगजनी की घटना के कुछ दिनों बाद हुई है।

उस समय स्टूडियो के पास मामूली आग लग गई थी। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था और स्थिति पर काबू पाने के तुरंत बाद शूटिंग का काम दोबारा शुरू कर दिया गया था।



माधुरी दीक्षित ने केबीसी में चलवा दी डांस की पुरानी क्लिप, देख शरमा गए बिग बी

हमसे बड़ी गुस्ताखी हो गई थी :अमिताभ बच्चन

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित जल्द ही अमिताभ बच्चन के शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के एक एपिसोड में नजर आएंगी। यह एपिसोड 9 अक्टूबर को रात 9 बजे सोनी टीवी पर प्रसारित होगा।

एपिसोड से पहले सोनी टीवी ने दो प्रोमो शेयर किए हैं, जिनमें अमिताभ और माधुरी के बीच मजेदार बातचीत देखने को मिली।

पहले प्रोमो में अमिताभ बच्चन ने माधुरी से फिल्म 'तेजाब' के गाने 'एक दो तीन' के स्टेप को रीक्रिएट करने को लेकर कहा, "एक बार हमसे बड़ी गुस्ताखी हो गई थी। एक फिल्म थी, उसमें हमने ऐसे एक दो तीन किया था।"

इसके बाद माधुरी ने मजाकिया अंदाज में कहा, ₹हम भी दिखा दें? जिसके बाद स्क्रीन पर अमिताभ की 1989 की फिल्म 'तूफान' का एक सीन चलाया गया, जिसमें अमिताभ बच्चन गाने 'एक दो तीन' पर डांस करते नजर आए। वीडियो को देखते ही अमिताभ बच्चन शरमा गए और बोले कि कहां से कहां ये लोग निकाल ले रहे हैं? अंत में अमिताभ बच्चन ने अपने डांस को लेकर कहा कि एक अच्छे गाने को किस तरह खराब किया जाए, देखा आपने अभी।





अमिताभ बच्चन और माधुरी दीक्षित ने मुख्य कलाकार के तौर पर कभी भी किसी फिल्म में साथ काम नहीं किया है।

आयुष्मान ने अमिताभ से माफी मांगी

वहीं, इससे पहले सारा अली खान और आयुष्मान खुराना 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में मेहमान बनकर पहुंचे थे। दोनों अपनी आने वाली फिल्म 'उड़ता तीर' के प्रमोशन के लिए शो में आए थे। एपिसोड में अमिताभ बच्चन और आयुष्मान ने 'गुलाबो सिताबो' से जुड़ी यादें भी शेयर कीं।

आयुष्मान ने फिल्म में अमिताभ के किरदार को 'बुढ़ऊ' कहने पर उनसे माफी मांगी। आयुष्मान ने कहा, "मैंने फिल्म में आपको बुढ़ऊ कहा, इसके लिए माफी मांगता हूं। आप बुढ़ऊ नहीं हैं। असल जिंदगी में आपमें 84 साल की कोई हरकत नहीं है।

आज संसद में वोटिंग ■ मेलोनी बोलीं- कानून पास नहीं हुआ तो इस्तीफा दे दूंगी

इटली में चुनाव जीतने पर एक्स्ट्रा सीटें मिलने पर विवाद

विवाद

रोम, एजेंसी

इटली में चुनाव जीतने वाली पार्टी या गठबंधन को संसद में एक्स्ट्रा सीटें देने के प्रस्ताव पर विवाद छिड़ गया है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार यह कानून लाना चाहती है। इसके तहत चुनाव में जीतने वाली पार्टी या गठबंधन को संसद में 105 अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं।

हालांकि, इसके लिए उसे दोनों सदनों में कम से कम 42% वोट हासिल करने होंगे। सरकार का कहना है कि इससे देश में राजनीतिक स्थिरता आएगी और सरकारें बार-बार नहीं गिरेंगी। वहीं, विरोधियों का आरोप है कि इस कानून से चुनाव जीतने वाले गठबंधन को जरूरत से ज्यादा ताकत मिल जाएगी।



मेलोनी की मौजूदा सरकार का पांच साल का कार्यकाल अगले साल खत्म होना है। हालांकि, अगर इस कानून को लेकर सत्ताधारी गठबंधन में टूट होती है तो देश में समय से पहले चुनाव भी हो सकते हैं।

इटली में सरकारों के अस्थिर रहने का लंबा इतिहास है। 1946 में इटली के गणराज्य बनने के बाद से अब तक वहां 68 सरकारें बन चुकी हैं। 1954 में एक सरकार तो सिर्फ 22 दिन चली थी।

पिछले महीने जॉर्जिया मेलोनी ने एक रिकॉर्ड बनाया। सितंबर 2022 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी सरकार इटली के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाली सरकार बन गई।

विरोधियों का कहना है कि अतिरिक्त सीटें मिलने से चुनाव जीतने वाले गठबंधन के पास संसद में जरूरत से ज्यादा ताकत आ सकती है। इससे वह दूसरे सांसदों से बातचीत किए बिना कई बड़े फैसले कर सकेगा। इनमें जजों और राष्ट्रपति की नियुक्ति जैसे अहम मामले भी शामिल हैं। इससे लोकतंत्र को खतरा है। वामपंथी विचारों वाले पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक मासिमो जियानिनी ने इस कानून की तुलना 1923 में बने एक कानून से की। उस कानून ने उस समय नेशनल फासिस्ट पार्टी को संसद पर कब्जा करने में मदद की थी।

जियानिनी ने अपने पॉडकास्ट में कहा, "103 साल बाद वही तरीका फिर दोहराया जा रहा है। चुनावी कानून में भारी बहुमत के लिए बोनस सीटें देने से लोकतंत्र का संतुलन बदल जाता है।"

कानून लागू हुआ तो किस तरह बटेंगी सीटें?

इटली की संसद में कुल 600 सीटें हैं, जिनमें निचले सदन की 400 और सीनेट की 200 सीटें हैं। प्रस्ताव के मुताबिक, अगर कोई पार्टी या गठबंधन कम से कम 42% वोट हासिल करके सबसे आगे रहता है तो उसे निचले सदन में 70 और सीनेट में 35 बोनस सीटें दी जाएंगी। ये सीटें कुल संख्या के अंदर ही बांटी जाएंगी। इसका मतलब यह नहीं है कि निचले सदन में 400 के ऊपर 70 सीटें जोड़ दी जाएंगी। कुल सीटें 400 ही रहेंगी।



■ इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का इस प्रस्ताव को लेकर सरकार का तर्क है कि सीटें मिलने से जीतने वाले गठबंधन के पास पर्याप्त ताकत होगी।

"इस कानून पर आज संसद में वोटिंग होनी है। मेलोनी ने साफ कहा है कि अगर कानून पास नहीं हुआ तो वह इस्तीफा दे देंगी। ऐसे में इस वोटिंग को उनकी सरकार के लिए अहम माना जा रहा है।

अमेरिका में इस साल 30वें व्यक्ति को मौत की सजा

जहरीले इंजेक्शन का डोज देकर ली गई जान

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के टेक्सस में बुधवार को एक कैदी को मौत की सजा दी गई। उसने स्टोर क्लर्क की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

वह इस साल अमेरिका में मौत की सजा पाने वाला 30वां व्यक्ति था। टेनेसी में क्रिस्टा पाइक को जानलेवा इंजेक्शन देने की नाकाम कोशिश के बाद यह पहली मौत की सजा थी। 46 वर्षीय जमाल हावर्ड को हंट्सविले की स्टेट जेल में जहरीले इंजेक्शन की डोज दिए जाने के बाद बुधवार रात 8:03 बजे (स्थानीय समय) मृत घोषित कर दिया गया। उसने वर्ष 2000 में एक स्टोर में हुई लूट के दौरान 42 वर्षीय विकी स्वार्टआउट की हत्या कर दी थी। जेल वार्डन ने जब आखिरी इच्छा पूछी, तो उसने पीड़िता के परिवार के सदस्यों से माफी मांगी, जो कुछ दूरी पर खिड़की से यह सब देख रहे थे। टेक्सस ने 2026 में अब तक छह लोगों को मौत की सजा दी है और इस साल दो और लोगों को मौत की सजा देने की योजना है।



- टेक्सस में कैदी जमाल हावर्ड को मौत की सजा दी गई।
- वह इस साल अमेरिका में मौत की सजा पाने वाला 30वां व्यक्ति।
- 2000 में स्टोर क्लर्क की हत्या के आरोप में दोषी ठहराया गया।

फास्ट न्यूज

अमेरिका की सुरक्षा में चूक

वाशिंगटन। अमेरिका में यूनाइटेड पार्सल सर्विस के एक कर्मचारी की छोटी सी लापरवाही ने पूरे देश की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। दरअसल अमेरिका को एक चेतावनी दी गई थी जिसमें कहा गया था कि जिस शिपमेंट में F-35 कॉकपिट कैनोपी और हथियार रखने वाली जगह का दरवाजा है और उनको रडार से बचाने के लिए मटीरियल लगा है उसे हांगकांग से दूर रखा जाए।

फिलीपींस में लगे भूकंप के तेज झटके

मनीला। गुरुवार को फिलीपींस के मिंडानाओ द्वीप में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (GFZ) ने इसकी पुष्टि की है। GFZ के अनुसार, यह भूकंप समुद्र तल से 10 किलोमीटर (लगभग 6.21 मील) की गहराई पर आया।

फिलीपींस की भूकंप विज्ञान एजेंसी फिवोल्क्स ने एडवाइजरी जारी कर कहा कि इस भूकंप से बड़े पैमाने पर नुकसान की आशंका नहीं है। हालांकि, एजेंसी ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है क्योंकि आफ्टरशॉक्स महसूस किए जा सकते हैं। स्थानीय प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। अभी तक किसी हताहत की खबर नहीं है।

जेल में बंद प्रदर्शनकारी ने फोन पर की अपनी मंगेतर से शादी

तेहरान। मध्य ईरान के शहर इस्फहान में प्रदर्शनकारी अलीरेजा सेपाही को फांसी दे दी गई। जनवरी में हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद गिरफ्तार किया गया था। जुलाई में दिल का दौरा पड़ने के कारण उन्हें सबके सामने फांसी नहीं दी गई। इस बीच में उन्होंने अपनी मंगेतर से शादी भी की। लेकिन 5 अक्टूबर की सुबह वह पल आ ही गया जिसका 25 वर्षीय अलीरेजा को महीनों से डर था।

बैंक, अस्पताल अब फोन में इससे 5 लाख करोड़ गलत हाथों में जाने से बचे

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि आज सरकार की बैंक, अस्पताल, सरकारी दफ्तर जैसी सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल पर हैं। वहीं उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इस सिस्टम की वजह से बिचौलियों और फर्जीवाड़े पर रोक लगी और लगभग 5 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बच गए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस का AIऔर 6G पर फोकस रहेगा। 2017 में हुआ पहला इवेंट सिर्फ भारत पर फोकस्ड था, अब 100 से ज्यादा देश शामिल हुए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज मोबाइल फोन केवल गपशप या चैट करने का जरिया नहीं रह गया है, बल्कि यह आम लोगों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। भाषा या दूरी की रुकावटें खत्म हो गई हैं। अब लोगों को दफ्तरों के चक्कर काटने और लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बच रहा है।



भारत में टेलीकॉम का मतलब अब सिर्फ नेटवर्क, स्पेक्ट्रम या इंटरनेट स्पीड तक सीमित नहीं है। पीएम ने कहा कि भारतीयों के लिए यह इससे कहीं आगे की चीज है।

डीबीटी से हुई बचत पर विपक्ष और दलालों पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा, "जिन लोगों की यह अवैध कमाई बंद हो गई है, वे जाहिर तौर पर मोदी को पसंद नहीं करेंगे। वे चाहे जितना भी शोर मचाते रहें, लेकिन हमने जनता का हक सीधे जनता तक पहुंचाने का पक्का संकल्प लिया था और इसे पूरा किया।"

ट्रम्प बोले मैंने 8 युद्ध रुकवाए, दुनिया तबाह होने से रोकी, 6 साल से मांग रहे प्राइज

'मुझे नोबेल नहीं दिया तो कमेटी की बदनामी होगी'

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार पर अपनी दावेदारी जताई। 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार, 9 अक्टूबर को होनी है।

इससे एक दिन पहले ट्रम्प ने कहा कि उन्हें यह पुरस्कार मिलना चाहिए। अगर नोबेल समिति उन्हें यह पुरस्कार नहीं देती है, तो इससे नोबेल समिति की बहुत बदनामी होगी। ट्रम्प ने कहा, 'मैं अपनी तारीफ नहीं कर रहा हूं, सिर्फ तथ्य बता रहा हूं। मैंने 8 युद्ध रुकवाए और दुनिया को तबाह होने से रोका। शायद किसी भी राष्ट्रपति ने इतने युद्ध नहीं सुलझाए।'ट्रम्प ने 2009 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को मिले नोबेल शांति पुरस्कार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ओबामा को यह पुरस्कार मिलने की वजह उन्हें खुद भी पता नहीं थी। ट्रम्प ने कहा, "ओबामा को सिर्फ 8 महीने में यह मिल गया जबकि उन्होंने कुछ किया भी नहीं था। ओबामा को भी आज तक पता नहीं है कि उन्हें यह किसलिए मिला था।" ट्रम्प के लिए नोबेल प्राइज मांगना कोई नई बात नहीं है। अक्टूबर 2018 में एक कार्यक्रम में ट्रम्प ने नोबेल शांति पुरस्कार का जिक्र करते हुए कहा था कि उन्हें शायद यह पुरस्कार कभी नहीं मिलेगा, भले ही ने कोरिया और सीरिया में शांति कायम करने की कोशिश कर रहे हों। इसके बाद फरवरी 2019 में उन्होंने खुलकर अपनी दावेदारी रखी। उन्होंने कहा कि जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने उन्हें नोबेल के लिए नामित किया है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसे कभी नहीं जीत पाऊंगा। 2019 में एक पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल के जवाब में ट्रम्प ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्हें कई चीजों के लिए नोबेल मिलेगा, अगर पुरस्कार निष्पक्ष तरीके से दिया जाए। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी ट्रम्प ने नोबेल का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से अपनी तुलना करते हुए कहा था कि अगर ओबामा को यह पुरस्कार मिल सकता है तो उन्हें भी मिलना चाहिए। ट्रम्प की नोबेल दावेदारी का एक मामला वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो से भी जुड़ा है।



इस बार पोप लियो नोबेल प्राइज के दावेदार

ट्रम्प के अलावा पोप लियो, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (ICC), इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (ICJ) और फिलिस्तीनी क्षेत्रों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष रैपोर्टियर फ्रांसेस्का अल्बानीज के नाम भी चर्चा में हैं।

पोप लियो युद्ध और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। ICC और ICJ अंतरराष्ट्रीय कानून के जरिए युद्ध और देशों के विवादों से जुड़े मामलों पर काम करते हैं। अल्बानीज गाजा और फिलिस्तीनी इलाकों में मानवाधिकारों के मुद्दे उठाती रही हैं। हालांकि, ये आधिकारिक फाइनलिस्ट नहीं हैं। नोबेल समिति नामांकन की पूरी सूची 50 साल तक सार्वजनिक नहीं करती।

"नॉर्वे की नोबेल समिति ने ओबामा को दूसरे देशों से बातचीत बढ़ाने और दुनिया को परमाणु हथियारों से मुक्त करने की उनकी कोशिशों के लिए चुना था। हालांकि, ओबामा को इतने कम समय में पुरस्कार देने का फैसला उस समय भी चर्चा और विवाद का विषय बना था।

ड्रोन-मिसाइल हमले में 36 घायल, जवाब में यमन के 80 ठिकानों पर सऊदी की एयरस्ट्राइक

सऊदी एयरपोर्ट पर हूतियों का हमला, तीन की मौत

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब के दो एयरपोर्ट्स पर हूती विद्रोहियों ने ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। साथ ही 36 लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन (GACA) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 6 और 7 अक्टूबर को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है।

वहीं, यमन में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हूतियों के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है।

पहले हमले में रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। हमला सीधे लक्ष्य पर हुआ और इससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ। दूसरे हमले में रबीघ स्थित अरामको की तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। हमले के बाद वहां आग लग गई। तीसरे हमले में हूतियों ने आभा एयरपोर्ट, खमिस मुशैत एयरबेस और असीर क्षेत्र के अकिफा कैंप को निशाना बनाने का दावा किया।



■ सऊदी अरब के रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हूतियों ने पहले भी हमला किया था। यह तस्वीर 19 सितंबर 2026 की है।

विदेशी नागरिकों ने हमले में जान गंवाई

आभा एयरपोर्ट पर हमले में मोरक्को और अल्जीरिया की दो महिला नागरिकों की मौत हुई। साथ ही यहां 28 लोग घायल हुए। इनमें सऊदी, बांग्लादेश और फिलीपींस के नागरिक शामिल हैं। वहीं, किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक सूडानी नागरिक की मौत हुई। यहां 8 लोग घायल हुए, जिनमें 5 सऊदी नागरिक, 2 मिस्र के निवासी और एक पाकिस्तानी निवासी शामिल हैं। GACA ने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। साथ ही अधिकारी सुविधाओं की सुरक्षा की जांच कर रहे हैं और यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं।

सऊदी ने यमन में मिसाइल लॉन्च करने वाला ठिकाना नष्ट किया

इस बीच, यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने दावा किया कि उसने रियाद पर हमले के लिए इस्तेमाल किए गए एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म को नष्ट कर दिया है।

गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल-मालिकी ने कहा कि यह कार्रवाई यमन की राजधानी सना में की गई। उनके मुताबिक, वहां सऊदी अरब पर एक और हमले की तैयारी चल रही थी और हमला जल्द किया जा सकता था।

इससे पहले हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने सऊदी अरब में कई जगहों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने की जिम्मेदारी ली थी। इसमें रबीघ में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी अरामको पर हमला भी शामिल है। याह्या सरी ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए तीन बड़े सैन्य अभियान चलाए।

महंगाई के बीच एफडीस पर ज्यादा ब्याज मिलेगा

रेपो रेट बढ़ने से बैंक भी ब्याज दरें बढ़ाएंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

महंगाई कंट्रोल करने के लिए रिजर्व बैंक ने रेपो रेट 0.25% बढ़ाकर 5.50% कर दिया है। इससे एक तरफ जहां लोन महंगे होंगे, वहीं दूसरी तरफ बैंक जल्द ही अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरें भी बढ़ाएंगी। हालांकि, जिन लोगों ने पहले से फिक्स्ड डिपॉजिट करा रखा है, उन्हें इसका तुरंत फायदा नहीं मिलेगा और उन्हें पुरानी दर पर ही ब्याज मिलता रहेगा।

आइए समझते हैं कि रिजर्व बैंक के इस फैसले से नए और पुराने FD ग्राहकों पर क्या असर पड़ेगा और वे इससे ज्यादा-से-ज्यादा मुनाफा कैसे उठा सकते हैं।

अगर आपने पहले से ही कोई FD करवा रखी है, तो RBI के रेपो रेट बढ़ाने से उसकी ब्याज दर तुरंत बदलेगी। जब आप बैंक में FD बुक करते हैं, तो उस समय तय की गई ब्याज दर पूरे टैन्योर (अवधि) के लिए लॉक रहती है।



इसलिए पुरानी FD पर वही ब्याज मिलता रहेगा, जिस रेट पर उसे शुरू किया गया था। रेपो रेट में बढ़ोतरी का फायदा सिर्फ नई FD बुक करने पर या पुरानी FD के मैच्योर होने के बाद उसे रिन्यू कराने पर ही मिलेगा। बैंकबाजार के CEO आदिल शेट्टी का कहना है कि RBI का रेपो रेट बढ़ाकर 5.50% करने का फैसला बचत करने वालों के लिए राहत भरा है, लेकिन इसका फायदा धीरे-धीरे मिलेगा।

आरोप : 20 किलो आटे का बैग 3300 रुपए पहुंचा, रोटी 20 से बढ़कर 30 रुपए हुई

'पाकिस्तान में आटे के संकट से जूझ रहे लोग'

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पेशावर में आटे की कीमत तेजी से बढ़ने से लोग परेशान हैं। 20 किलो मोटे आटे का बैग 3,300 पाकिस्तानी रुपए तक पहुंच गया है। आटे की कीमत बढ़ने का असर तंदूरों पर भी पड़ा है।

ANI के मुताबिक, 20 रुपए में मिलने वाली 50 ग्राम की रोटी अब 30 रुपए में बिक रही है। कई इलाकों में एक रोटी की बिक्री भी बंद कर दी गई है और 40 रुपए में दो रोटियां दी जा रही हैं।

सरकारी सब्सिडी वाला आटा बाजार से लगभग गायब हो गया है। इसके चलते दुकानों पर व्यावसायिक आटे की कीमत बढ़ गई है। 20 किलो महीन आटे का बैग 3,120 रुपए में बिक रहा है, जबकि 80 किलो मोटे आटे की कीमत 13,200 रुपए पहुंच गई है। 20 किलो चोकर का बैग भी 1,480 रुपए में मिल रहा है। खाद्य विभाग का कहना है कि सब्सिडी वाला आटा अब भी पूरे प्रांत में बांटा जा रहा है। विभाग के मुताबिक, पिछले हफ्ते 1,611 सक्रिय डीलरों के जरिए सरकारी दरों पर 4,17,168 बैग आटा सप्लाई किया गया। पेशावर डिवीजन को 1,01,955, मलाकंड को 1,20,737 और मरदान को 59,389 बैग मिले। हजारा को 38,129, बन्नू को 12,588, डेरा इस्माइल खान को 41,688 और कोहाट को 42,682 बैग की सप्लाई की गई। पाकिस्तान में आटे की कमी कोई नई समस्या नहीं है। देश में पिछले कुछ वर्षों में कई बार गेहूं और आटे की सप्लाई प्रभावित हुई है। 2019-20 में आटे की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के साथ आटे की कमी का संकट सामने आया था। इसके बाद 2023 में भी गेहूं और आटे की भारी किल्लत हुई, जब सब्सिडी वाले आटे के लिए लोगों की लंबी कतारें लग गई थीं। 2023 के संकट में सरकार की ओर से कम कीमत पर दिए जाने वाले आटे की मांग तेजी से बढ़ गई थी।



कई इलाकों में दुकानदारों ने एक अकेली रोटी देना बंद किया

पेशावर के खैबर बाजार, अशरफ रोड, कराची मार्केट, नमक मंडी और गवर्नमेंट कॉलेज चौक जैसे इलाकों में कई दुकानदार अब एक अकेली रोटी नहीं दे रहे हैं। ग्राहकों को 40 रुपए में दो रोटियां खरीदनी पड़ रही हैं। लोगों का कहना है कि आटे की कीमत बढ़ने के साथ रोटी का वजन भी कम किया जा रहा है। आटे और रोटी की बढ़ती कीमतों से लोगों में नाराजगी है। उन्होंने प्रशासन से तय कीमत पर आटा और रोटी उपलब्ध कराने के साथ रोटी का वजन भी तय मानक के मुताबिक रखने की मांग की है।

कारोबारियों पर आटे की जमाखोरी का आरोप

आटे की कीमत बढ़ने के पीछे कुछ कारोबारियों पर जमाखोरी करने के आरोप लग रहे हैं। आरोप है कि कारोबारियों ने आटे का स्टॉक गोदामों में रोक लिया, जिससे बाजार में इसकी उपलब्धता कम हो गई और कीमतें तेजी से बढ़ीं। आटे की अचानक बढ़ी कीमतों के बाद कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियां बड़े कारोबारियों और आटा गोदामों पर नजर रख रही हैं। इस संकट के बीच आटा कारोबारियों के कुछ ही दिनों में करोड़ों रुपए का मुनाफा कमाने की बात भी सामने आई है।

बिजनेसमैन स्टारलिंक को रोक रहे यह बात गलत

मस्क के आरोपों पर सरकार की सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत सरकार ने एलन मस्क के उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें उन्होंने दावा किया था कि कुछ भारतीय उद्योगपति एकाधिकार बनाए रखने के लिए स्टारलिंक को भारत नहीं आने दे रहे।

सरकार ने आज यानी 8 अक्टूबर को कहा कि देश में सैटेलाइट कम्यूनिकेशन सर्विसेज के लिए तय नियम सभी के लिए एक जैसे हैं। यह कहना बिल्कुल गलत है कि नियमों को किसी के साथ भेदभाव करने के लिए लागू किया जा रहा है।

इससे पहले बुधवार को इलॉन मस्क ने देश के बड़े बिजनेसमैनों पर भारत में स्टारलिंक को रोकने का आरोप लगाया है। मस्क ने X पर पोस्ट कर लिखा, 'भारत के कुछ बड़े बिजनेसमैन नहीं चाहते कि स्टारलिंक का सैटेलाइट इंटरनेट भारत आए, ताकि उनका एकछत्र राज बना रहे।



मस्क ने पोस्ट में यह भी लिखा कि यह भारत के लोगों के खिलाफ एक अपराध है। मस्क ने किसी कंपनी या उद्योगपति का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनकी पोस्ट से भारतीय टेलीकॉम कंपनियों के बीच बहस छिड़ गई है।

मस्क का इशारा भारत के उन टेलीकॉम और बिजनेस घरानों की तरफ माना जा रहा है, जो स्पेक्ट्रम अलॉटमेंट के नियमों और सुरक्षा चिंताओं को लेकर सैटेलाइट इंटरनेट कंपनियों का विरोध या कड़ी शर्तों की मांग कर रहे हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96